www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 212 || लखनऊ
मंगलवार
03 नवंबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:17
सूर्यास्तः 05:22
अधिकतमः 30°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार
दिल्ली की 'विपक्ष लीला'... »पेज 04
रेलवे अफसर का डीआरएम... »पेज 06
61के हुए शाहरुख खान...

दिल्ली-एनसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे।

›› (शेष पेज 06 पर)

पिछली 2 सुनवाई, कोर्ट ने कहा था- 24 घंटे पटाखे नहीं चला सकते

● **30 सितंबर: 24 घंटे पटाखे चलाने की परमिशन नहीं दे सकते**

30 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाएंगे। साथ ही चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की अनुमति भी नहीं मिलेगी। बेंच ने कहा था कि बीच का रास्ता निकालना जरूरी है। इसके लिए पटाखे जलाने के तय समय निर्धारित किए जा सकते हैं।

● **29 अक्टूबर: कोहली से बिना पटाखे दिवाली की अपील कराएं**

कोर्ट ने कहा कि विराट कोहली जैसी मशहूर शख्सियतों की मदद से लोगों को जागरूक किया जा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि मशहूर हस्तियों से ऐसे वीडियो या मैसेज रिकॉर्ड कराए जा सकते हैं, जिनमें वे लोगों से प्रदूषण बढ़ाए बिना दिवाली मनाने की अपील करें।

'मूर्ति से परेशानी है तो घर में शोक मनाएं' : योगी

गोंडा की जनसभा में बोले सीएम- किसी को भी धार्मिक आयोजनों में बाधा डालने की इजाजत नहीं

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोंडा के गौरा और मनकापुर विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभा के दौरान समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। दुर्गापूजा के आयोजन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी सपाई या कसाई को मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित करने से परेशानी होती है तो वह अपने घर में शोक मनाए, लेकिन किसी दूसरे को परेशान न करे। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में एक बार फिर धार्मिक आयोजनों और कानून-व्यवस्था को लेकर बहस तेज हो गई है। सीएम योगी ने अपने संबोधन में पूर्व की सपा सरकार के कार्यकाल, 2015-16 में गोंडा में दुर्गापूजा के दौरान पैदा हुए विवाद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कांवड़ यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों

के दौरान धार्मिक आयोजनों पर रोक लगाई जाती थी और दंगों की आशंका जताकर लोगों को पर्व मनाने से रोका जाता था। वहीं, अपनी सरकार के कार्यकाल को उन्होंने शांतिपूर्ण आयोजन और विकास से जोड़कर पेश किया। मुख्यमंत्री ने गोंडा दौरे के दौरान गौरा और मनकापुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए करीब 520 करोड़ रुपये की 69 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके अलावा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र और अन्य सहायता भी वितरित की गई। दुर्गापूजा के आयोजन पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बार नवरात्र में पूरे प्रदेश में 67 हजार से अधिक दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गईं। उन्होंने बताया कि गोंडा जिले और देवीपाटन मंडल के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए थे कि घर में मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित करने के लिए लोगों को अनुमति के नाम पर परेशान न किया जाए। सीएम ने कहा कि किसी परिवार की अपनी मनौती या आस्था हो सकती है।

›› (शेष पेज 06 पर)

520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 69 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

योगी ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के समय कांवड़ यात्रा पर रोक लगाने की कोशिश की जाती थी। उस दौरान दंगा होने की आशंका जताई जाती थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में धार्मिक यात्राओं और पर्वों के आयोजन के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर दंगाइयों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि दंगाइयों को आवास पर बुलाकर सम्मानित करने से उनका उत्साह बढ़ता था।

गोंडा के लिए 16 हजार करोड़ और देवीपाटन मंडल में 50 हजार करोड़ की परियोजनाओं का दावा

धार्मिक आयोजनों और कानून-व्यवस्था के साथ मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों को भी अपने संबोधन का प्रमुख मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में पिछले साढ़े नौ वर्षों में अकेले गोंडा जिले के लिए 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। सीएम के मुताबिक, देवीपाटन मंडल में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें से कुछ पूरी हो चुकी हैं, जबकि कई पर काम चल रहा है। उन्होंने नई परियोजनाओं के प्रस्ताव भी मांगे जाने की बात कही।

2015-16 के दुर्गापूजा विवाद की दिलाई याद

सीएम योगी ने गोंडा में 2015-16 के दौरान दुर्गापूजा के समय पैदा हुई स्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय क्षेत्र में दंगे और तनाव की स्थिति बनी थी और उन्हें स्वयं बाद में यहां आना पड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार में अब प्रदेश कर्फ्यू और दंगों से मुक्त है। उन्होंने गोंडा, बलरामपुर, पचपेड़वा और बहराइच का उदाहरण देते हुए कहा कि अब इन क्षेत्रों में लोग बिना किसी परेशानी के अपने पर्व और त्योहार मना पा रहे हैं। बलरामपुर, पचपेड़वा और बहराइच में विकास की गतिविधियां आगे बढ़ रही हैं।

मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने

भाजपा अध्यक्ष बोले- विदेशी ताकतें देश में अस्थिरता चाहती हैं

पोस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया X पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा कि नरेंद्र मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और उन्हीं की मदद से प्रधानमंत्री बने हुए हैं। वहीं, भाजपा देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चला रही है। इसी कड़ी में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कोलकाता में रैली की। यहां उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें देश में अस्थिरता लाना चाहती हैं।

›› (शेष पेज 06 पर)

इसके लिए राहुल गांधी का इस्तेमाल किया जा रहा है। कोलकाता में नितिन नवीन ने कहा कि राहुल गांधी उन ताकतों की एक टूलकिट हैं, जिन्होंने नेपाल और अन्य पड़ोसी देशों में अशांति पैदा की। वह उन ताकतों का नेतृत्व कर रहे हैं, जो पूरे देश में अराजकता लाना चाहता है।

फास्ट न्यूज

बंगाल विधानसभा के वॉशरूम में कैंटीन कर्मचारी का शव मिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा की कैंटीन के वॉशरूम में सोमवार सुबह 46 साल के कर्मचारी उमेश चंद्र दास का शव मिला। वे पिछले 15 साल से कैंटीन में काम कर रहे थे। सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच ड्यूटी पर पहुंचे एक कर्मचारी ने उमेश को वॉशरूम में गिरे हुए देखा।

नौसेना को मिलेंगे 8 नए युद्धपोत

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 8 नए युद्धपोत बनाने के लिए 53,866.50 करोड़ के समझौते पर साइन किए हैं।

ये नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट यानी नई पीढ़ी के युद्धपोत होंगे। इनमें आधुनिक मिसाइल, हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए जाएंगे। इन युद्धपोतों को बनाने की जिम्मेदारी दो भारतीय कंपनियों को दी गई है। इनमें कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) पांच और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) तीन युद्धपोत बनाएगी।

फ्लाइट टिकट 700% बढ़ाने के दावे वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बढ़ते हवाई किराए को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता के 700% तक किराया बढ़ने के दावे पर कोर्ट ने कहा, 'आप हवाई यात्रा मत करिए। आगे बढ़िए।' जस्टिस जे. विक्रम नाथ की बेंच के सामने वकील ने दलील दी कि विमान का किराया 700% तक बढ़ गया है।

शरद पवार अस्पताल में हुए भर्ती, सीने में दर्द की शिकायत

हालत स्थिर, लेकिन हॉस्पिटल में ही रहेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NCP (SP) प्रमुख शरद पवार को सोमवार को पुणे के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें सांस लेने पर बढ़ने वाले सीने के दर्द की शिकायत थी। 85 साल के पवार को खांसी होने के बाद पुणे के प्राइवेट हॉस्पिटल रूबी हॉल क्लिनिक लाया गया। उनकी बेटी, बारामती सांसद और NCP (SP) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने यह जानकारी दी। सुले के मुताबिक, पवार के मेडिकल टेस्ट चल रहे हैं। उनके स्वास्थ्य से जुड़े सभी पैरामीटर स्थिर हैं। रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ, चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. पुरवेज के. ग्रांट ने बताया कि पवार की हालत जल्द सामान्य

होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर पवार को निगरानी में रखा जाएगा। डॉक्टर का कहना है कि ये इमरजेंसी नहीं है अगर ऑक्सीजन, हार्ट रेट नॉर्मल हो, लेकिन एंटीबायोटिक, दर्द की दवा और आराम से 3-5 दिन में ठीक हो जाता है। प्ल्यूरिटिक पेन सीने में होने वाला ऐसा दर्द है, जो सांस लेने, खांसने या छींकने पर आमतौर पर बढ़ जाता है।

›› (शेष पेज 06 पर)

सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाती, असली संसद में कभी नहीं बनेंगे

राहुल ने नकली संसद लगाई, उसके पीएम बन जाते : शाह

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मित शाह सोमवार को हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली में नकली संसद लगाई। वे उसके ही पीएम बन जाते तो सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाती। असली संसद में वे कभी पीएम नहीं बनेंगे।विपक्ष के SIR विरोध के जवाब में भाजपा देशभर में

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चला रही है। इसका पहला चरण 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलेगा। कांग्रेस पार्टी SIR को रोककर देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। ये घुसपैठिए उनके वोट बैंक हैं।

›› (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में विपक्ष की रैली के खिलाफ भाजपा का मार्च

INDIA ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने रविवार को भी दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला था।

दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया।

इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में SIR के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है।

1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी।

12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, RJD, वाम दलों और अन्य विपक्षी नेताओं ने दिल्ली में बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया। इसी दिन 12 पार्टियों के 13 नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

भाजपा की अभियान चलाने के पीछे 4 वजहें...

1. **SIR का समर्थन:** विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहा है। भाजपा का कहना है कि SIR का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध करना और पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करना है।
2. **वोट चोरी के आरोपों का जवाब:** राहुल गांधी और विपक्षी दल चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। भाजपा इन आरोपों को भ्रामक बताकर जनता के बीच अपना पक्ष रखना चाहती है।
3. **चुनाव आयोग का बचाव:** भाजपा का कहना है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बिना आधार आरोप लगाकर उसकी विश्वसनीयता कमजोर की जा रही है।
4. **कांग्रेस और विपक्ष को घेरना:** भाजपा विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रिया को लेकर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगा रही है।

उद्घाटन : कोविड हो या पश्चिम एशिया संकट, 140 करोड़ भारतीयों ने देश को संकट से निकाला

चुनौतियों के बावजूद भारत की ग्रोथ मजबूत : मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने वैश्विक ऊर्जा संकट और भारत की आर्थिक प्रगति पर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि इस साल दुनियाभर में 'एनर्जी शॉक' की चर्चा हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था ने ऐसे संकटों का सामना किया है, जिनकी पहले कल्पना भी नहीं की गई थी। प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी से लेकर पश्चिम एशिया संकट तक का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया को लगातार नई चुनौतियों से गुजरना पड़ा है। उन्होंने

कहा कि उन्हें गर्व है कि 140 करोड़ भारतीयों ने इन मुश्किल परिस्थितियों से देश को बाहर निकालने में योगदान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत ने अपनी आर्थिक विकास दर को मजबूत बनाए रखा। इसके पीछे पिछले एक दशक में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में किया गया निवेश और तैयार किए गए नए सिस्टम भी अहम रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत ने बीते वर्षों में क्लीन एनर्जी में निवेश नहीं किया होता और जरूरी व्यवस्थाएं विकसित नहीं की होतीं, तो वैश्विक संकटों का असर देश की अर्थव्यवस्था पर कहीं ज्यादा गंभीर हो सकता था। प्रधानमंत्री के मुताबिक, मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों ने ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों की जरूरत को और महत्वपूर्ण बना दिया है। भारत ने पिछले दशक में इस दिशा में जो कदम उठाए हैं, उनसे देश को चुनौतियों के बीच अपनी आर्थिक गति बनाए रखने में मदद मिली है।

पीएम मोदी के भाषण की 5 बड़ी बातें...

- 2021 के समिट में, भारत ने 2030 तक 500 GW नॉन-फॉसिल फ्यूल एनर्जी कैपेसिटी हासिल करने का संकल्प लिया था।
- पेरिस एग्रीमेंट के तहत, भारत ने अपनी इंस्टॉल्ड पावर कैपेसिटी का 50% नॉन-फॉसिल फ्यूल सोर्स से पूरा करने का भी वादा किया था। हमने यह टारगेट 2025 में, तय समय से पांच साल पहले हासिल कर लिया।
- मैं चाहता हूं कि भारत के अनुभव इसका लाभ पूरी मानवता को मिले। इस क्षेत्र में भारत की जो सफलताएं हैं, वो दुनिया के अनेक देशों को काम आएगी।
- हमने फरवरी 2024 में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की, इसके तहत एक करोड़ घरों में रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है। पिछले 24-25 महीनों में ही 65 लाख से ज्यादा घर अभियान से जुड़ चुके हैं।
- हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि ज्यादा से ज्यादा गांवों में खाली जमीन पर किसान सोलर पैनल लगाए। सौर क्रांति का ये नया दौर सिर्फ अपनाने का नहीं है। ये इनोवेशन पर भी निर्भर है।

तूफान मुरासु आज रात आंध्र तट से टकराएगा

हवा की रफ्तार 110 किमी/घंटा रह सकती है, आंध्रप्रदेश में 19 फ्लाइट्स कैंसिल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। तूफान अर्नब के बाद अब बंगाल की खाड़ी से उठा तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश के तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह आज रात 11:30 बजे से मंगलवार सुबह 4 बजे के बीच नेल्लोर और नरसपुर के बीच तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110kmph रह सकती है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में चक्रवात का असर शुरू हो गया है। आंध्र के नेल्लोर के मयपाडु बीच पर समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं और तेज हवाएं चल रही हैं। आंध्रप्रदेश के तीन एयरपोर्ट पर 19 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। पांच राज्यों में NDRF की 37 टीमें तैनात की गई हैं, जिनमें से 13 टीमें

आंध्र प्रदेश में हैं। तमिलनाडु के चेन्नई, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में रविवार रात से बारिश हो रही है। चेन्नई में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। ओडिशा सरकार ने गंजाम, गजपति, रायगड़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों से लोगों को निकालने का काम तेज कर दिया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी चक्रवात का असर दिख सकता है।

›› (शेष पेज 06 पर)

लेटकर बजाई घंटी, पुलिस से धक्का-मुक्की, बोले- 8 साल से चप्पल घिस रहे

68,500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने विधानसभा घेरा

घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने सोमवार को नियुक्ति की मांग को लेकर विधानसभा का घेराव किया। अभ्यर्थी सड़क पर लेटकर घंटी बजाने लगे। करीब 20 मिनट तक नारेबाजी और हंगामा चलता रहा। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस अभ्यर्थियों को टांगकर और घसीटते हुए लेकर गई। प्रदर्शनकारी 'ऐसी क्या मजबूरी है, आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने

माना है, आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाते रहे। अभ्यर्थियों ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और अभद्रता करने का आरोप लगाया। अभ्यर्थी आशुतोष ने कहा कि उनकी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी और उसी समय उन्होंने आवेदन किया था। तब से नौकरी की उम्मीद में आठ साल बीत गए। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री से लेकर विधायक तक, ऐसा कोई दरवाजा नहीं बचा जहां जाकर हमने अपनी मांग न रखी हो।

कई बार प्रदर्शन किया, याचना की, लेकिन अब तक रोजगार नहीं मिला।" बस्ती से आए उत्कर्ष सिंह पटेल ने कहा कि वे पिछले आठ साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उनका आरोप है कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण संबंधी गड़बड़ी हुई है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं मिली।

'मंत्रियों और अधिकारियों ने भर्ती में गड़बड़ी मानी'

प्रदर्शन में शामिल नवीन ने बताया कि 10 सितंबर को उनकी मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से हुई थी। बैठक में बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। नवीन का दावा है कि बैठक में दोनों मंत्रियों और अधिकारियों ने भर्ती में गड़बड़ी होने की बात स्वीकार की थी। उन्होंने कहा, ₹जब राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी गड़बड़ी मानी है, तो सरकार में बैठे मंत्री और अधिकारी भी इसे स्वीकार कर रहे हैं।

8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे अभ्यर्थी

बस्ती से आए उत्कर्ष सिंह पटेल ने कहा कि वे पिछले आठ साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उनका आरोप है कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण संबंधी गड़बड़ी हुई है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं मिली।

दोस्त की हत्या करने वाले का हाफ एनकाउंटर

बचने के लिए की फायरिंग, 24 घंटे से खोज रही थी पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में दोस्त की चाकू मारकर हत्या करने वाला आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। रविवार रात पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। आरोपी ने 24 घंटे पहले सआदतगंज के आजाद नगर स्थित अंबेडकर पार्क के पास अपने दोस्त रेहान की हत्या कर दी थी। वारदात के बाद वह मौके से भाग निकला था। उसके भागने का वीडियो भी सामने आया है। घटना के बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। डीसीपी पश्चिम जितेंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, युवक की चाकू मारकर हत्या के मामले में नामजद आरोपी उजैफा फरार चल रहा था। रविवार देर रात उसके दुबग्गा के पावर हाउस चौराहे के पास होने की सूचना मिली।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी भागने लगा। उसे रोकने का प्रयास किया गया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। डीसीपी पश्चिम जितेंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, युवक की चाकू मारकर हत्या के मामले में नामजद आरोपी उजैफा फरार चल रहा था। रविवार देर रात उसके दुबग्गा के पावर हाउस चौराहे के पास होने की सूचना मिली।

फास्ट न्यूज

नगर निगम के सामने लगाया टेंट, दरी बिछाकर बैठे

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के सामने सफाई कर्मचारियों ने सोमवार को टेंट तान दिया। दरी बिछाकर बैठ गए। यहां नारेबाजी करते हुए अपनी 6 सूत्री मांगों की आवाज उठाई। सफाई कर्मचारी संघर्ष संयुक्त मोर्चा के बैनर तले बैठे प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि वे अलग-अलग जिलों से आए हैं। हम सभी ठेके सफाईदारों के साथ साथ एक ही व्यवहार किया जा रहा है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट हुईं चारों उड़ानें रवाना

लखनऊ। वाराणसी और काठमांडू में सोमवार सुबह खराब मौसम और घने कोहरे के कारण डायवर्ट की गईं चारों उड़ानें अब अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गई हैं।
तीन उड़ानें पहले ही लखनऊ से उड़ान भर चुकी थीं।
वहीं, इंडिगो की चौथी उड़ान 6E-6558 भी 20 मिनट बाद वाराणसी के लिए रवाना हो गई है। हांगझोऊ से काठमांडू जाने वाली हिमालय एयरलाइंस की उड़ान H-9226 सुबह 9:26 बजे और दुबई से काठमांडू जाने वाली फ्लाईदुबई की उड़ान FZ-8399 सुबह 9:46 बजे लखनऊ से रवाना हुई।

त्रिवेणी नगर में बनेगी सड़क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के त्रिवेणी नगर वार्ड में पार्षद देव शर्मा मिश्रा ने शिवपुरम, त्रिवेणी नगर तृतीय में सड़क पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराया।

सोमवार को एक्सिस बैंक एटीएम से बाईं ओर जाने वाले मार्ग पर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मंडलीय उपाध्यक्ष मनीष सिंह, प्रेम शंकर श्रीवास्तव, हरि शंकर श्रीवास्तव सहित क्षेत्र के कई निवासी मौजूद रहे।

एसजीपीजीआई में कर्मचारी महासंघ ने निदेशक कार्यालय का घेराव किया

कर्मचारियों से दुर्व्यवहार को लेकर नारेबाजी की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। SGPGI में सोमवार को कर्मचारी महासंघ से जुड़े कर्मचारियों ने निदेशक कार्यालय का घेराव किया। धरना स्थल निर्धारित करने, प्रदर्शन से पहले प्रशासन की अनुमति अनिवार्य करने और कर्मचारियों से दुर्व्यवहार के मुद्दे पर जमकर नाराजगी जताई। निदेशक के आश्वासन और खेद जताने के बाद घेराव खत्म हुआ। कर्मचारियों ने उनकी आवाज को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने वीआईपी कल्चर को लेकर भी विरोध जताया। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारी संस्थान में काम करते हैं तो अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाने के लिए उन्हें संस्थान से बाहर क्यों जाना पड़े। यह कर्मचारियों की आवाज दबाने की कोशिश है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महासंघ के नेताओं

ने बताया कि 28 अक्टूबर को हुई गवर्निंग बॉडी की बैठक में धरना स्थल निर्धारित करने और प्रदर्शन से पहले प्रशासन की अनुमति अनिवार्य करने का एजेंडा लाया गया था। कर्मचारियों ने कहा कि यह प्रस्ताव पास होता तो उनके उत्पीड़न का नया रास्ता खुल जाता। यदि कर्मचारियों की जायज मांगों का समय पर निस्तारण हो तो धरना देने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। इस पर निदेशक ने स्वीकार किया कि यह एजेंडा गलत तरीके से लाया गया था। इस मुद्दे पर बैठक में कोई बहस भी नहीं हुई।

लखनऊ में कार्यकर्ताओं से बोलीं- यूपी की तीसरी बड़ी पार्टी बनानी है, केवल रसीद न काटें

अनुप्रिया तीसरी बार अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को अपना दल (एस) के राष्ट्रीय सम्मेलन में अनुप्रिया पटेल को फिर से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा भी सम्मेलन में कई पदाधिकारियों को दोबारा जिम्मेदारी गई। सोमवार को कैसरबाग के महात्मा गांधी सभागार में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में अनुप्रिया पटेल ने पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं से कहा- अपना दल (एस) को यूपी की तीसरी बड़ी पार्टी बनानी है। केवल सदस्यता की रसीद न काटें, बल्कि लोगों को पार्टी की विचारधारा भी बताएं। दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और

कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी। पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता या समर्थक खुद को निराश महसूस न करे, यह उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, एक-दूसरे पर भरोसा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि अपना दल को उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया है और अंतिम सांस तक पार्टी के सम्मान और सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाती रहेंगी। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रयासों से अपना दल आज उत्तर प्रदेश की तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। अब पार्टी को नंबर एक बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना है। इसके लिए आगामी विधानसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आ रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के बावजूद समर्पित कार्यकर्ता

अनुप्रिया पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद मिलने के बावजूद वह सबसे पहले पार्टी की एक समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। पार्टी का हर छोटा-बड़ा कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। कार्यकर्ताओं का सम्मान पहले भी पार्टी की प्राथमिकता रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि अपना दल का उद्देश्य केवल सत्ता हासिल करना नहीं है, बल्कि गरीब, कमजोर और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज बनना है।

अनुप्रिया पटेल ने कहा कि अपना दल संघर्षों से निकला राजनीतिक संगठन है। पार्टी का वैचारिक आंदोलन सामाजिक न्याय और वंचित समाज के अधिकारों से जुड़ा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वह इस आंदोलन को और मजबूती देने के लिए पूरी जिम्मेदारी से काम करेंगी। उन्होंने कहा कि राजनीति में परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। कभी अनुकूल समय होता है तो कभी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन संगठन के भीतर आपसी विश्वास और एकजुटता बनी रहे तो पार्टी को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

साक्षर भारत योजना के कर्मियों को मिलेगा बकाया मानदेय

योगी सरकार ने जारी किए 397 करोड़ रुपये

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। साक्षर भारत योजना के तहत वर्षों से बकाया मानदेय का इंतजार कर रहे कार्मिकों के लिए राहत भरी खबर है। योगी सरकार ने प्रदेश के 64 जिलों के लिए करीब 397.19 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की है। इससे योजना के अंतर्गत काम कर चुके जिला और ब्लॉक समन्वयकों के साथ प्रेरकों के लंबित मानदेय भुगतान का रास्ता साफ हो गया है। भुगतान निर्धारित प्रक्रिया, अभिलेखों के सत्यापन और वित्तीय नियमों के तहत किया जाएगा। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के निदेशक एवं सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी की ओर से जारी आदेश में साक्षर भारत योजना के तहत 31 मार्च 2018 तक कार्यरत

रहे साक्षरता कर्मियों के अवशेष मानदेय के भुगतान के लिए धनराशि आवंटित की गई है। आदेश के मुताबिक, प्रेरकों को 2,000 रुपये प्रतिमाह और जिला एवं ब्लॉक समन्वयकों को 6,000 रुपये प्रतिमाह की दर से मानदेय दिया जाएगा। बकाया मानदेय जारी करने से पहले संबंधित कार्मिकों की वास्तविक उपस्थिति, उनके कार्यों और उपलब्ध अभिलेखों की जांच की जाएगी। जिला स्तर पर मौजूद ऑडिट रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों के आधार पर प्रत्येक कार्मिक की बकाया राशि निर्धारित होगी। इसके बाद ही भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आवंटित धनराशि का इस्तेमाल केवल मानदेय भुगतान के निर्धारित मद में किया जाएगा। किसी अन्य मद में इस राशि का उपयोग या विचलन नहीं किया जा सकेगा। शासन की ओर से संबंधित जिलों को 31 दिसंबर 2026 तक निर्धारित वित्तीय नियमों के अनुसार आवंटित धनराशि खर्च करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, खर्च का पूरा विवरण और उपयोगिता प्रमाण-पत्र 5 जनवरी 2027 तक निदेशालय को उपलब्ध कराना होगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के लिए उत्तर प्रदेश में बनेगी समयबद्ध ऋण कार्ययोजना

नाबार्ड के सहयोग से आयोजित राज्य ग्रामीण विकास सम्मेलन में 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के लक्ष्य पर विशेष जोर

- प्रदेश के सभी 75 जिलों में ऋण प्रवाह बढ़ाने, कृषि आधारित उद्योगों और महिला एवं युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने पर मंथन
- बुंदेलखंड और पूर्वांचल में ऋण उपलब्धता बढ़ाने तथा ग्रामीण उद्यमों के विस्तार पर विशेष ध्यान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने तथा कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्त विभाग द्वारा नाबार्ड के सहयोग से विधान भवन स्थित पारिजात सभागार में गत शुक्रवार को देर शाम राज्य ग्रामीण विकास सम्मेलन-2026 आयोजित किया गया। सम्मेलन में 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के लक्ष्य के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत ऋण की पहुंच बढ़ाने और सभी 75 जिलों के लिए मापनीय एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि अगले एक से दो वर्षों में जिला स्तरीय ऋण योजनाओं को ठोस कार्ययोजना में परिवर्तित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके लिए जनपद एवं विकासखंड स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करने, बैंकिंग संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति और जिला परामर्शदात्री समिति के माध्यम से नियमित निगरानी पर बल दिया गया। सम्मेलन की संस्तुतियों को नाबार्ड के राज्य फोकस पेपर 2027-28 के निर्माण में भी शामिल किया जाएगा।

> सम्मेलन में अपर मुख्य सचिव वित्त श्री दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं मत्स्य श्री मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव कृषि डॉ. शन्मुग सुंदरम, प्रमुख सचिव वित्त श्री पंधारी यादव, प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री शशि भूषण लाल सुशील, सचिव वित्त श्रीमती संदीप कौर सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन बैंक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति तथा विभिन्न वित्तीय एवं विकास संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में मियादी ऋण और ग्रामीण अवसंरचना के विस्तार के साथ कृषि उत्पादों के स्थानीय प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। 'एक जिला, एक मूल्य शृंखला' की अवधारणा को बढ़ावा देने तथा डिजिटल माध्यमों से छोटे एवं पट्टेदार किसानों की संस्थागत ऋण तक पहुंच सुगम बनाने की आवश्यकता रेखांकित की गई। किसान उत्पादक संगठनों को बैंक वित्तपोषण से जोड़कर सामूहिक उद्यमिता विकसित करने पर भी चर्चा हुई। महिला एवं युवा उद्यमिता के क्षेत्र में केवल ऋण स्वीकृति के बजाय उद्यमों की स्थापना, उनके स्थायी संचालन, रोजगार सृजन और आय वृद्धि को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी। पशुपालन क्षेत्र में नाबार्ड की डेयरी विकास योजना को राज्य पशुधन मिशन में शामिल किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही प्रदेश के लिए तैयार मत्स्य विकास योजना भी प्रस्तुत की गई।

मांग : 12 दिन से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे, बोले- 8 साल से वेतन नहीं मिला

सहकारी समिति के कर्मचारियों ने मांगी इच्छा मृत्यु

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (बी-पैक्स) के कर्मचारियों ने राष्ट्रपति से सामूहिक इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। एम-पैक्स कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र तिवारी ने इस संबंध में राष्ट्रपति को पत्र भेजा है। उनका कहना है कि 8 से 10 साल से नियमित वेतन नहीं मिलने के कारण परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की पढ़ाई तक मुश्किल हो गई है। कर्मचारी 12 दिन से इको गॉर्डन में धरने पर बैठे है। कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ गहरी नाराजगी है। संघ के मुताबिक, कर्मचारी वर्ष 2018 से नियमित वेतन की मांग उठा रहे हैं। इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए। 7 सितंबर को मांग-पत्र

देने के बाद 21 सितंबर, 5 अक्टूबर और 29 अक्टूबर को विभागीय स्तर पर वार्ता हुई। इसके बावजूद वेतन भुगतान की व्यवस्था पर कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका। कर्मचारियों का आरोप है कि हर बार आश्वासन देकर आंदोलन समाप्त करने को कहा गया, लेकिन मांगें पूरी नहीं हुईं। राष्ट्रपति से सात मांगों पर हस्तक्षेप की अपील कर्मचारियों ने राष्ट्रपति को भेजे पत्र में लंबित वेतन का तत्काल भुगतान और नियमित वेतन व्यवस्था लागू करने की मांग की है। इसके अलावा आंदोलनकारियों के खिलाफ एफआईआर और अन्य दंडात्मक कार्रवाई

आंदोलन में शामिल कर्मचारियों को नोटिस

संघ का आरोप है कि आंदोलन शुरू करने के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों में कर्मचारियों को प्रदर्शन से रोकने का प्रयास किया गया। आंदोलन में शामिल कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। कुछ के खिलाफ निलंबन और एफआईआर जैसी कार्रवाई भी की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

की समीक्षा, नोटिस व निलंबन की निष्पक्ष जांच, मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न रोकने, संबंधित अधिनियम में संशोधन और समस्या के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश देने की अपील की है। संघ का आरोप है कि आंदोलन शुरू करने के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों में कर्मचारियों को प्रदर्शन से रोकने का प्रयास किया गया। आंदोलन में शामिल कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। कुछ के खिलाफ निलंबन और एफआईआर जैसी कार्रवाई भी की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

कर्मचारियों ने सहकारी विभाग में वेतन भुगतान की व्यवस्था पर भेदभाव का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विभाग के अन्य कर्मचारियों को राजकीय कोष से वेतन मिलता है, जबकि बी-पैक्स कर्मचारियों को अधिनियम का हवाला देकर नियमित वेतन व्यवस्था से अलग रखा गया है। कर्मचारियों का सवाल है कि वर्षों तक काम लेने के बाद भी उन्हें समय पर वेतन क्यों नहीं दिया जा रहा है।

आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में शिकायत आने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए निर्देश

- निष्पक्ष भाव से समाज हित में समर्पित होकर कार्य करना ही सही

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन, सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) पोर्टल पर गलत रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत प्रस्तुत करने पर मुख्यमंत्री की भृकुटि तन गई। इसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान देकर समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराया जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। सीएम ने समस्या सुनते हुए लोगों को भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जबरन जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। जनता दर्शन में आई एक दिव्यांग युवती ने परिवार की आर्थिक दिक्कत का उल्लेख कर इंटर पास भाई के लिए रोजगार की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रार्थना पत्र के संबंध में उचित सहयोग किया जाए।

स्टार्टअप पर होगा मंथन, रज्जू भैय्या विश्वविद्यालय में 'पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद होगा

प्रयागराज में 4 नवंबर को जुटेंगे 17 विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय में 4 नवंबर को 'पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद-2026' आयोजित किया जाएगा। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से होने वाले इस कार्यक्रम में पूर्वांचल के 17 विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षक, प्रतिनिधि और विद्यार्थी शामिल होंगे। आयोजन में एक हजार से अधिक लोगों की भागीदारी की उम्मीद है। राज्य विश्वविद्यालयों के साथ उनसे संबद्ध महाविद्यालयों के प्रतिनिधि भी इसमें हिस्सा लेंगे। एक दिवसीय संवाद के दौरान स्टार्टअप

प्रदर्शनी, तकनीकी सत्र, पैनल चर्चा और गोलमेज बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें पूर्वांचल की स्थानीय समस्याओं, उपलब्ध संसाधनों और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नए समाधान तलाशने पर चर्चा होगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना और विश्वविद्यालयों के बीच स्टार्टअप को लेकर सहयोग बढ़ाना है।

नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार देने वाले बनें छात्र

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वांचल के विद्यार्थियों में प्रतिभा और मेधा की कमी नहीं है। जरूरत उन्हें केवल नौकरी की तलाश करने के बजाय स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने की है। इसके लिए विश्वविद्यालयों में इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से विद्यार्थियों के बिजनेस आइडिया को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को मेंटरशिप और फंडिंग के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास होगा। जरूरत पड़ने पर विश्वविद्यालय भी अपनी ओर से सहयोग करेगा, ताकि छात्रों के विचारों को व्यावहारिक स्टार्टअप में बदला जा सके। लक्ष्य है कि विद्यार्थी अपना कारोबार शुरू करें और आगे चलकर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर तैयार करें।

17 विश्वविद्यालय मिलकर तैयार करेंगे स्टार्टअप नेटवर्क

इस पहल के तहत 17 विश्वविद्यालय आपस में सहयोग करेंगे। इसके लिए संसाधनों की साझेदारी, मेंटरिंग और नवाचार को बढ़ावा देने वाला नेटवर्क तैयार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन के तहत राज्य में मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटरों का नेटवर्क भी उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम कर रहा है। कुलपति के मुताबिक, यह पहल उत्तर प्रदेश शासन, राजभवन और भारत सरकार की स्टार्टअप को बढ़ावा देने वाली नीतियों के अनुरूप है। 'पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद' पहली बार प्रयागराज में आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद नवंबर के अंत में पश्चिमांचल के विश्वविद्यालयों का सम्मेलन आयोजित किए जाने की संभावना है।

4 मंदिरों में खंडित मूर्तियों के संग्रह केंद्र बने

भाजपा नेता विमल ने उन्नाव में शुभारंभ किया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में नर सेवा नारायण सेवा समिति ने खंडित मूर्तियों और पुरानी पूजन सामग्री के लिए चार मंदिरों में संग्रह केंद्र शुरू किए हैं। सोमवार दोपहर 12 बजे आवास विकास कॉलोनी के अखलेश्वर महादेव मंदिर में भाजपा नेता और समिति के संस्थापक विमल द्विवेदी ने प्रदेश अध्यक्ष अनीता विमल द्विवेदी के साथ केंद्र का शुभारंभ किया। समिति ने अखलेश्वर महादेव मंदिर, बड़े हनुमान मंदिर, कल्याणी मंदिर और कब्बा खेड़ा तिराहे के हनुमान मंदिर में ये केंद्र बनाए हैं। इन्हें विसर्जन-पात्र के रूप में तैयार किया गया है। श्रद्धालु यहां खंडित मूर्तियां और

पुरानी पूजन सामग्री जमा कर सकेंगे। विमल द्विवेदी ने कहा कि लोग अक्सर खंडित मूर्तियां, पुरानी माला-फूल, मांगलिक कार्यक्रमों के आमंत्रण कार्ड और अन्य पूजन सामग्री मंदिरों के बाहर, पेड़ों के नीचे या खुले स्थानों पर रख देते हैं। इससे धार्मिक आस्था से जुड़ी वस्तुओं का सम्मान नहीं रह पाता। ऐसी सामग्री को गंगा या दूसरी नदियों में डालने से जल प्रदूषण भी बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों के जरिए श्रद्धालु सामग्री को खुले में फेंकने या नदियों में डालने के बजाय तय जगह पर जमा कर सकेंगे। इसके बाद समिति धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भू-विसर्जन या उचित निस्तारण की व्यवस्था करेगी। समिति की प्रदेश अध्यक्ष अनीता विमल द्विवेदी ने कहा कि संस्था 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' की भावना के साथ धार्मिक और सामाजिक काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल आस्था के सम्मान के साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगी। समिति ने शहरवासियों से अपील की कि वे खंडित मूर्तियां और पूजन सामग्री खुले स्थानों या जलस्रोतों में डालने के बजाय तय संग्रह केंद्रों पर जमा करें।

फास्ट न्यूज

लोडर रोकने पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ता से मारपीट का आरोप

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में गोवंश ले जाने की सूचना पर लोडर रोकने पहुंचे बजरंग दल के एक कार्यकर्ता से मारपीट का आरोप लगा है। घटना के विरोध में संगठन के लोगों ने रविवार रात करीब 11 बजे उन्नाव-रायबरेली मार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस के जांच और कार्रवाई के आश्वासन के बाद कार्यकर्ताओं ने जाम हटा लिया।

उन्नाव में विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम

उन्नाव। उन्नाव में सरस्वती मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से शिशु शिक्षा निकेतन प्राइमरी जूनियर हाईस्कूल में विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम-2026 आयोजित किया गया। 'स्वस्थ आदतें, खुशहाल जीवन' थीम पर हुए कार्यक्रम में बच्चों को स्वच्छता, संतुलित आहार, सुरक्षित पेयजल और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें सहायक प्रोफेसर डॉ. अविनाश दुबे, डॉ. भारत वैष्णव और मेडिकल कॉलेज के अन्य सदस्य शामिल हुए।

उन्नाव की कॉलोनी में विशालकाय मगरमच्छ निकला

उन्नाव। उन्नाव की काशीराम कॉलोनी में सोमवार सुबह करीब 7 बजे आबादी के बीच मगरमच्छ दिखाई दिया। वन विभाग की टीम ने उसे रेस्क्यू कर सुरक्षित जगह पहुंचाया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मगरमच्छ दिखने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग को भी खबर दी गई। टीम मौके पर पहुंची और मगरमच्छ को पकड़ने का अभियान शुरू किया।

पेड़ से लटका मिला राजमिस्त्री का शव

परिवार ने अनहोनी की आशंका जताई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के दही थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कोरारी मोड़ के पास एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान राजेपुर निवासी अशोक (50), पुत्र छेदी लाल के रूप में हुई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अशोक राजमिस्त्री का काम करके परिवार का खर्च चलाते थे। उनके परिवार में एक बेटा है। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे बेटे ने पोस्टमार्टम हाउस में बताया कि परिवार की किसी से रंजिश नहीं थी। हालांकि, उसने पिता की मौत से पहले की परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

सोमवार सुबह करीब 9 बजे कोरारी मोड़ के पास पेड़ से शव लटका होने की जानकारी मिली। मृतक की पहचान राजेपुर निवासी अशोक के रूप में हुई। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। अशोक राजमिस्त्री का काम करते थे और इसी से परिवार का खर्च चलाते थे। दोपहर करीब 1 बजे अशोक के बेटे ने पोस्टमार्टम हाउस में घटना की जानकारी दी। उसने किसी से रंजिश होने की बात से इनकार किया।

लखनऊ के इन्दिरा गांधी नक्षत्रशाला में शुरू होगा खगोलिकी का 15 दिवसीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित इन्दिरा गांधी नक्षत्रशाला, लखनऊ द्वारा विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों तथा खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले आम नागरिकों के लिए 'Certificate Course in Astronomy & Astrophysics – Level I' का आयोजन किया जा रहा है। यह 15 दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम 15 नवम्बर से 25 दिसम्बर 2026 तक चलेगा।

पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना तथा आधुनिक दूरबीन और आकाश अवलोकन की व्यावहारिक जानकारी देना है। प्रशिक्षण सत्र शनिवार, रविवार एवं सार्वजनिक अवकाश के दिनों में ऑफलाइन माध्यम से आयोजित होंगे। इसमें सौरमंडल, तारे एवं तारामंडल,

खगोलीय निर्देशांक प्रणाली, दूरबीन का संचालन, सूर्य एवं सौर मौसम तथा रात्रिकालीन आकाश अवलोकन जैसे छह प्रमुख विषयों पर सैद्धांतिक व्याख्यान के साथ हैंड्स-ऑन गतिविधियाँ भी शामिल हैं। पंजीकरण शुल्क मात्र 1,000 निर्धारित किया गया है। न्यूनतम 15 एवं अधिकतम 50 प्रतिभागी लिए जाएंगे। सफल प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विज्ञान विषयों के स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी, किन्तु खगोलिकी में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति इसमें भाग ले सकता है। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन पंजीकरण के लिए निम्नलिखित लिंक का उपयोग कर सकते हैं: https://forms.gle/KXfZs58Vt6VfiZSC8 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश का यह प्रयास युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, खगोल विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने तथा उन्हें प्रेक्षणात्मक खगोल विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

घर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

हरदोई में पत्नी बेटी को लेकर मायके गई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के टड़ियावां थाना क्षेत्र के गुरुदयाल पुरवा जपरा गांव में रविवार रात 30 वर्षीय अरुण ने फंदा लगाकर जान दे दी। सोमवार सुबह उनका शव घर के अंदर छप्पर के नीचे साड़ी के फंदे से लटका मिला। खुदकुशी की वजह साफ नहीं हो सकी है। अरूण खेती-किसानी करते थे। उनके भाई संजय ने बताया कि अरुण की पत्नी जूली करीब एक सप्ताह पहले अपनी इकलौती बेटी को लेकर मायके रमुवापुर गई थी। इसके बाद से अरुण घर पर अकेले रह रहे थे। संजय सोमवार सुबह किसी काम से अरुण के घर पहुंचे। वहां उन्होंने अरुण का शव फंदे से लटका देखा और परिवार को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम कराया है।युवक के इस कदम के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

श्रेया त्रिपाठी का हरियाणा में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी पद पर चयन

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के टीआरसी लॉ कॉलेज में सोमवार को पूर्व छात्र सम्मेलन एवं विदाई समारोह-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संचालन सहायक आचार्य आशुतोष पाण्डेय ने किया। मुख्य अतिथि अधिवक्ता पारेश मिश्रा ने विधि व्यवसाय की गरिमा, न्याय व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका और विधिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन करने और व्यावसायिक नैतिकता का पालन करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह का विशेष आकर्षण एलएलएम पाठ्यक्रम की पूर्व छात्रा श्रेया त्रिपाठी रहीं। उनका चयन हरियाणा में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी के

पद पर हुआ है। इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी गई। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। एक वर्षीय एलएलएम पाठ्यक्रम में श्रेया त्रिपाठी ने प्रथम, आंचल सिंह ने द्वितीय और स्वाति द्विवेदी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विशिष्ट अतिथियों को स्मृति-चिह्न और अंगवस्त्र भेंट किए गए। अंत में डॉ. सुजीत चतुर्वेदी ने आभार जताया।

कोठारी बंधुओं के बलिदान की स्मृति में कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

बजरंग दल ने हरदोई में रक्तदान शिविर लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में सोमवार 2 नवंबर दोपहर 2 बजे हुतात्मा दिवस के अवसर पर बजरंग दल की ओर से जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला संयोजक शुभम बाजपेयी के संयोजन में आयोजित शिविर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर कोठारी बंधुओं के बलिदान को याद किया। संगठन की ओर से हर साल 2 नवंबर को हुतात्मा दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले राम कोठारी और

शरद कोठारी की स्मृति में किया जाता है। संगठन के अनुसार, 30 अक्टूबर 1990 को राम कोठारी (22 वर्ष) और शरद कोठारी (20 वर्ष) ने विवादित ढांचे के गुंबद पर चढ़कर भगवा ध्वज फहराया था। इसके बाद 2 नवंबर 1990 को अयोध्या में हनुमानगढ़ी के पास पुलिस की गोलीबारी में दोनों भाइयों की मौत हो गई थी। बजरंग दल इस दिन को उनके बलिदान की स्मृति के रूप में मनाता है और रक्तदान के जरिए श्रद्धांजलि अर्पित करता है। शिविर में शामिल कार्यकर्ताओं ने रक्तदान को मानव सेवा का माध्यम बताया। पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों की मदद की जा सकती है। ऐसे आयोजन समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने का काम करते हैं।

कार्यक्रम में अवध प्रांत के प्रांत सह मंत्री प्रवीण, जिला संगठन मंत्री अभिषेक, जिला सह संयोजक राघवेंद्र, निवर्तमान जिला संयोजक ऋषभ, विहिप जिला मंत्री गौरव, जिला सह मंत्री नागेंद्र, जिला प्रचार प्रमुख अक्षतानन्द, जिला बाल संस्कार प्रमुख ओंकार, जिला धर्म प्रसार प्रमुख हिमांशु, हरदोई नगर उपाध्यक्ष हिमांशु, नगर संयोजक सुमित, शाहाबाद नगर अध्यक्ष रविंद्र, शाहाबाद नगर संयोजक शिवम और प्रखंड संयोजक कुंवरपाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हादसा : पहिए में फंसकर 200 मीटर घिसटी बाइक, चौथे युवक ने अस्पताल में तोड़ा दम

सफारी ने दो बाइकों को टक्कर मारी, 4 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में रविवार शाम तेज रफ्तार सफारी एसयूवी ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरे। कुछ देर बाद एक युवक का शव हाईवे किनारे झाड़ियों में मिला। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को सीएचसी रामसनेहीघाट पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। घायल युवक की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद दूसरे अस्पताल के लिए रेफर किया गया था जहां उसकी भी मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने सफारी चालक को

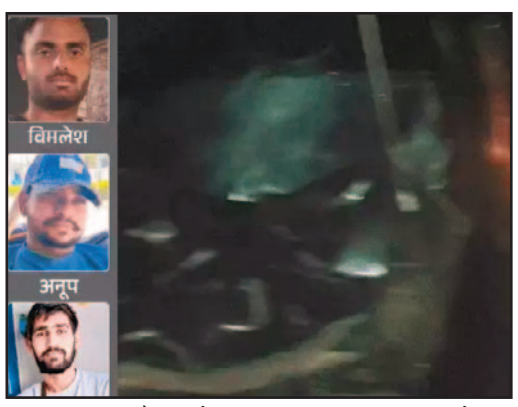

पकड़कर पीटा और हाईवे जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने उसे ग्रामीणों से छुड़ाकर हिरासत में लिया। तीनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। घटना थाना रामसनेहीघाट क्षेत्र की है। बाराबंकी से 30 किलोमीटर दूर बैसन-पुरवा बस स्टॉप के पास रात करीब 8:30 बजे तेज रफ्तार सफारी कार ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवारों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पहिए में फंसकर बाइक करीब 200 मीटर तक घिसटती चली गई। कार सवार आयोध्या से लखनऊ की ओर जा रहे थे।

तीन मौतों से भड़के ग्रामीण, हाईवे पर लगाया जाम

एक ही गांव के तीन युवकों की मौत की खबर मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया। देखते ही देखते हाईवे पर करीब पांच किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। जाम के चलते राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हादसे की जानकारी मिलने पर राज्यमंत्री सतीश शर्मा सीएचसी रामसनेहीघाट पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। एक साथ तीन युवकों की मौत से दलसिंहपुर गांव में शोक का माहौल है। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच गम और आक्रोश दोनों देखने को मिले।

चालक को पकड़कर पीटा, पुलिस ने हिरासत में लिया

हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने सफारी चालक को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने उसे ग्रामीणों से छुड़ाकर हिरासत में लिया।

एसयूवी में सवार दो अन्य लोगों को भी पुलिस अपने साथ ले गई, जबकि एक व्यक्ति मौके से भाग गया। ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया, जिससे करीब एक घंटे तक वाहनों की कतार लगी रही। पुलिस ने लोगों को समझाकर यातायात बहाल कराया।

देर रात तीनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए। जिलाधिकारी के आदेश पर रात में ही पोस्टमार्टम कराया गया।

इसके बाद शव गांव भेज दिए गए। राज्यमंत्री सतीश शर्मा के प्रतिनिधि जवाहर-लाल वर्मा भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

बच्चों ने अपनी कला-और-प्रतिभा से जीता सबका दिल

विजेता अब 5 नवंबर को मंडल स्तर पर दिखाएंगे दम

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद के रसखान प्रेक्षागृह में आयोजित विकसित भारत युवा उत्सव में जनपद के 15 विद्यालयों से आए सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, कविता लेखन और चित्रकला जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी रचनात्मकता का ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया। बच्चों की इस ऊर्जा और उत्साह से सजे इस भव्य आयोजन का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम सोमवार के दोपहर 1:30 बजे आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, कविता लेखन और चित्रकला जैसी पाँच

प्रमुख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नुक्कड़ नाटक के जरिए दिए गए सामाजिक संदेशों ने वहाँ मौजूद हर दर्शक का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि प्रेमावती जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वहीं, जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रबोध कुमार ने बताया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों के मंच पर आने का संकोच दूर होता है और उनके आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा मिलता है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले विजेताओं में लोकगीत समूह में गोपीनाथ संगीत विद्यालय, लोकनृत्य समूह में गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, और नुक्कड़ नाटक में सेंट जेवियर्स विद्यालय, पिहानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा कविता लेखन में हर्षवर्धन मिश्रा और चित्रकला में कोमल ने पहला स्थान हासिल किया। इन सभी प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विजेता कलाकारों को सम्मानित किया गया। अब ये सभी विजेता आगामी 5 नवंबर 2026 को होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में हरदोई जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सम्पादकीय

लोकतंत्र बचाने के लिए जनता की ऐतिहासिक पहल

मोदी हटाओ देश बचाओ। ज्ञानेश कुमार को aसजा होगी। उसके बाद मोदी-शाह पर भी कानूनी कार्रवाई होगी। रामलीला मैदान बना हल्दीघाटी का मैदान। आज शकुनी अपना खेल खेल रहे हैं तो हमें कुरुक्षेत्र में उतरना पड़ रहा है। मुसलमानों ने इस देश के लिए खून दिया है, अभी भी दे रहे हैं और आगे भी देंगे, हमें पाकिस्तानी कहना बंद करना होगा। जिन्होंने राम मंदिर में चोरी की, वो वोट चोरी करके सरकार बना रहे हैं। ये तमाम पंक्तियां इंडिया ब्लॉक के अलग-अलग नेताओं के भाषण से ली गई है। सभी को मिलाकर पढ़ें तो लगेगा कि एक ही व्यक्ति ने वोट चोरी और भाजपा की लोकतंत्र खत्म करने की साजिश के खिलाफ कहा है, लेकिन हकीकत यही है कि कम से कम 10 अलग-अलग दलों के नेताओं के ये विचार हैं, जो एक जैसे लग रहे हैं। और यही मजबूत विपक्ष का मोदी सरकार के लिए बड़ा संदेश है। रविवार एक नवंबर को ये संदेश दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई ऐतिहासिक महारैली से निकला है। इस रैली को हर तरह से ऐतिहासिक कहा जा सकता है, क्योंकि भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद कम से कम 10 लाख लोग देश के अलग-अलग हिस्सों से इस रैली में शिरकत करने के लिए पहुंचे। दो दिन से दिल्ली का मौसम भी बिगड़ा हुआ था। तेज बारिश के कारण मैदान में कीचड़ और पानी भर चुका था। लेकिन कांग्रेस सेवा दल के लोगों ने गजब जज्बा दिखाते हुए इस कीचड़ को हटाने का काम किया। भाजपा ने व्यापारियों को भी आगे कर के पहले राहुल गांधी और फिर सोनिया गांधी को संदेश भिजवाया कि दीपावली पर व्यापार का नुकसान न होने दें। लेकिन राहुल गांधी ने शनिवार रात ही अपील की कि जो लोग रैली में शामिल होने आ रहे हैं, वे थोड़ी खरीदारी करके लौटें ताकि व्यापारियों का फायदा हो। राहुल की इस अपील से डरी भाजपा ने रैली से कुछ समय पहले ही कनॉट प्लेस की दुकानों को जबरन बंद करवा दिया। इसके अलावा भाजपा ने एक नवंबर को 1984 के सिख दंगों की याद दिलाते हुए कांग्रेस को घेरने के लिए अपने नेताओं से वक्तव्य दिलवाए। खुद गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब की अपनी सभा में कांग्रेस को सिख विरोधी दंगों के लिए घेरा। लेकिन ऐसा करते हुए भाजपा भूल गई कि 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 11 अगस्त को संसद (राज्यसभा) में सिख दंगों के लिए औपचारिक रूप से माफी मांगी थी। इस के ठीक एक दिन बाद, 12 अगस्त 2005 को उन्होंने लोकसभा में भी इस बयान को दोहराया था। संसद में नानावती आयोग की रिपोर्ट पर हो रही बहस के दौरान उन्होंने अपने ऐतिहासिक भाषण में कहा था- 'मुझे सिख समुदाय से माफी मांगने में कोई संकोच नहीं है। मैं न केवल सिख समुदाय से, बल्कि पूरे भारतीय राष्ट्र से माफी मांगता हूं, क्योंकि 1984 में जो कुछ भी हुआ वह हमारे संविधान में निहित राष्ट्रवाद की अवधारणा के खिलाफ था। 'राहुल गांधी ने भी इन दंगों के लिए कई बार माफ़ी मांगी थी। हाल ही में पिछले साल मई में अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान जब एक सिख छात्र ने उनसे सिख विरोधी दंगों पर सवाल पूछा, तो राहुल गांधी ने कहा- 'जब कांग्रेस से कई गलतियां हुईं, तब मैं राजनीति में नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा जो कुछ भी गलत किया गया, मैं उस की जिम्मेदारी लेता हूं।' तो भाजपा जो अब दंगों के नाम पर कांग्रेस को घेरने की कोशिश कर रही है, वो भी नाकाम हो गई। वैसे भी रामलीला मैदान की महारैली अकेले कांग्रेस की नहीं थी, इंडिया ब्लॉक और कई सामाजिक व छात्र संगठनों की मिली-जुली अभिव्यक्ति थी, जिसका निचोड़ यही था कि एसआईआर को हर हाल में रोका जाए। ज्ञानेश कुमार तत्काल मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा दें और जितने भी गलत और आपराधिक काम उनसे हुए हैं, उनके लिए कानूनी कार्रवाई का सामना करें। सबसे बड़ा संदेश नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के लिए था कि वोट चोरी करके सत्ता पर बने रहने का यह खेल अब जनता और नहीं होने देगी। जितनी बड़ी संख्या में लोग दिल्ली की इस रैली में जुटे थे, वह अकल्पनीय और अप्रत्याशित थी। इसलिए क्योंकि हाल ही में जितने विरोध प्रदर्शन दिल्ली में हुए, उनमें शामिल लोगों को दिल्ली पुलिस की ज्यादतियों का सामना करना पड़ा। अदालतों के चक्कर लगवाने पड़े। शारीरिक और मानसिक प्रताड़नाओं से आम लोगों को गुजरना पड़ा। ऐसे में लोगों के मन में डर बैठ जाता है और वे अपने हक के लिए आवाज नहीं उठाते। भाजपा को यही खुशफहमी थी कि लोग डर के मारे ही रैली में नहीं आएंगे। लेकिन लोगों ने डर को नकारते हुए अपने वोट के अधिकार को बचाने के लिए जोरदार आवाज उठाई। यह सब वक्त और निजाम के बदलने के संकेत हैं।

दिल्ली की 'विपक्ष लीला': कितना पास, कितना फेल?

> *जब तक विपक्ष अपनी इस नकारात्मक, हठधर्मिता और जिद की राजनीति को पूरी तरह छोड़कर जमीन पर रचनात्मक और सकारात्मक काम नहीं करेगा, तब तक उसकी ऐसी हर राजनीतिक कोशिश ऐतिहासिक रूप से नाकाम ही साबित होती रहेगी और देश की जागरूक जनता उसे बार-बार इसी तरह सिरे से नकारती रहेगी।*

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में विपक्ष की 'इंडिया' गठबंधन की हालिया 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बहुत बड़े रणनीतिक ब्लंडर और विफलता के रूप में दर्ज की गई है। इस भव्य स्तर पर आयोजित की गई राजनीतिक रैली का मुख्य उद्देश्य 2027 के आगामी चुनावों के लिए विपक्ष की एकजुटता दिखाना, शक्ति प्रदर्शन करना और विभिन्न मुद्दों पर सरकार को चारों तरफ से घेरना था। लेकिन अगर जमीन पर इस पूरी कवायद का निष्पक्ष विश्लेषण किया जाए, तो यह रैली अपनी बेहद कमजोर टाइमिंग, पूरी तरह से नकारात्मक नैरेटिव और आंतरिक विरोधाभासों के कारण जनता के बीच पूरी तरह नाकाम और प्रभावहीन साबित हुई। इस रैली की करारी विफलता ने न केवल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के राजनीतिक नेतृत्व और उनकी रणनीतिक समझ पर एक बार फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि 'इंडिया' गठबंधन के वैचारिक और रणनीतिक खोखलेपन को भी देश की जनता के सामने पूरी तरह से उजागर कर दिया है। एक सफल और प्रभावी राजनीतिक आयोजन हमेशा वही माना जाता है जो आम जनता की बुनियादी आकांक्षाओं, उनके सुख-दुख और उनकी रोजमर्रा की समस्याओं से सीधा जुड़ता है, लेकिन दुर्भाग्य से यह रैली केवल विपक्षी नेताओं की अपनी व्यक्तिगत कुंठाओं, राजनीतिक असुरक्षाओं और एकतरफा एजेंडे को जबरन थोपने का एक बंद मंच बनकर रह गई। इस रैली की ऐतिहासिक नाकामी की सबसे पहली और सबसे बड़ी वजह इसकी बेहद गलत और संवेदनहीन टाइमिंग रही, जिसने दिल्ली की जनता को नाराज करने का काम किया। पूरा देश और विशेष रूप से उत्तर भारत इस समय दीपावली, भाईदूज, गोवर्धन पूजा और छठ पूजा जैसे साल के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण त्योहारों के सीजन में पूरी तरह से व्यस्त और मग्न है। दिल्ली जैसे विशाल महानगर में, जहां इन प्रमुख त्योहारों के दौरान व्यापारिक गतिविधियां अपने चरम पर होती हैं और लाखों लोग खरीदारी तथा उत्सव की तैयारियों के लिए सड़कों पर निकलते हैं, वहां विपक्षी नेताओं ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए रामलीला मैदान को चुना। इस अदूरदर्शी फैसले का सीधा नतीजा यह हुआ कि पूरी पुरानी दिल्ली, मध्य दिल्ली और उसके आसपास के सभी प्रमुख मार्गों पर घंटों लंबा भयंकर ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे आम जनता, दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और त्योहार की खरीदारी करने निकले परिवारों को भारी मानसिक and शारीरिक असुविधा का सामना करना पड़ा। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी दिल्ली की प्रमुख व्यापारिक संस्थाओं ने इस आयोजन से पहले ही स्पष्ट रूप से चेतावनी दी थी कि त्योहारों के इस अति-महत्वपूर्ण सीजन में ऐसी बड़ी राजनीतिक रैली करने से दिल्ली के स्थानीय व्यापारियों को लगभग 10,000 करोड़ रुपये का भारी व्यापारिक नुकसान हो सकता है। जब कोई राजनीतिक गठबंधन आम जनता और छोटे-बड़े व्यापारियों के त्योहार की खुशियों, उनकी कमाई और उनकी रोजी-रोटी को दांव पर लगाकर अपनी राजनीति चमकाने की स्वार्थी कोशिश करता है, तो जनता के बीच उसका संदेश कभी भी सकारात्मक नहीं जा सकता। विपक्ष ने इस रैली के जरिए दिल्ली की जनता को राहत देने के बजाय केवल और केवल परेशानी दी, जिसने रैली के औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले ही उसकी असफलता की पूरी पटकथा लिख दी थी। रैली का दूसरा सबसे कमजोर और निराशाजनक पहलू कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मुख्य भाषण और उनका पूरी तरह से नकारात्मक नैरेटिव रहा। आधुनिक भारतीय राजनीति में देश का आम मतदाता हमेशा एक ऐसे परिपक्व नेता को पसंद करता है जो देश के सामने विकास का एक सकारात्मक विजन, आर्थिक प्रगति का ठोस रोडमैप और भविष्य की कल्याणकारी नीतियां रखता है। लेकिन राहुल गांधी का पूरा संबोधन एक बार फिर पुरानी ढर्रे पर चलते हुए केवल व्यक्तिगत आक्षेपों, संवैधानिक संस्थाओं पर तीखे हमलों और गहरी राजनीतिक नकारात्मकता से भरा रहा। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को रैली का सबसे मुख्य और केंद्रीय मुद्दा बना दिया और मतदाता सूची में संशोधन (SIR) जैसे बेहद जटिल, तकनीकी और प्रशासनिक मुद्दों पर जनता को भड़काने तथा गुमराह करने की असफल कोशिश की। देश का आम मतदाता, जो इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच महंगाई, रोजगार के नए अवसरों, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और उच्च शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर विपक्ष से किसी ठोस समाधान या रचनात्मक सुझाव की उम्मीद कर रहा था, उसे चुनाव आयोग की आंतरिक प्रशासनिक प्रक्रियाओं से कोई सीधा सरोकार नहीं है। राहुल गांधी का यह दृष्टिकोण साफ तौर पर दिखाता है कि वे और उनकी पूरी पार्टी अभी भी धरातल की हकीकत, जनता की रोजमर्रा की प्राथमिकताओं और देश के मूड से पूरी तरह कटे हुए हैं। उनका नैरेटिव रचनात्मक होने के बजाय केवल विनाशकारी, व्यवस्था-विरोधी और सिर्फ विरोध के लिए विरोध करने वाला दिखाई दिया, जिसे वहां मौजूद बेहद कम संख्या में आई और थकी हुई भीड़ ने भी पूरी तरह से खारिज कर दिया। इसके अलावा, 'इंडिया' गठबंधन की यह फ्लॉप रैली विपक्षी एकजुटता के उन तमाम खोखले दावों की भी पूरी तरह पोल खोलती नजर आई जो अक्सर मीडिया में किए जाते हैं।

अशोक भाटिया

विकास की संरचना ... — डॉ .अजीत रानाडे

तेज़ विकास के दावे के बीच समृद्धि कहां गायब है?

परिवारों की क्रय शक्ति (खरीदने की क्षमता) भी इसका एक कारण है। परिवार अपनी आर्थिक स्थिति का अंदाजा खाने-पीने के खर्च, किराए, स्कूल की फीस, स्वास्थ्य सेवाओं और आने-जाने के खर्चों से लगाते हैं। महंगाई दर कम होने का मतलब यह नहीं है कि पहले से बढ़ी हुई कीमतें कम हो गई हैं। अगर कमाई, बढ़ते खर्चों के साथ कदम नहीं मिला पाती तो कम महंगाई के दौर में भी लोगों को कोई खास राहत नहीं मिलती। एक उबर ड्राइवर का कहना है कि वह पहले से ज़्यादा घंटे काम करता है फिर भी उसके हाथ में कम पैसे आते हैं। ईंधन, गाड़ी के रख-रखाव, लोन की किस्तों और प्लेटफॉर्म की कटौतियों के बाद उसके पास बहुत कम पैसे बचते हैं। उसके अनुभव से यह तय नहीं किया जा सकता कि पूरी अर्थव्यवस्था कैसा प्रदर्शन कर रही है लेकिन वह एक वाजिब सवाल पूछता है- अगर भारत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है तो गुज़ारा करना मुश्किल क्यों होता जा रहा है? इससे एर्मा बॉमबेक की किताब का शीर्षक याद आता है : 'इफ़ लाइफ़ इज़ अ बाउल ऑफ़ चेरीज़, वॉट एम आई डूईंग इन द पिट्स?' अगर भारत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है तो गुज़ारा करना मुश्किल क्यों होता जा रहा है? अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो कि एक शानदार आंकड़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, भारतीय रिज़र्व बैंक और अन्य एजेंसियों ने पूरे साल के लिए विकास के अनुमानों को बढ़ाया है। वैश्विक अनिश्चितता के बीच तेज़ विकास दर को बनाए रखना एक बड़ी उपलब्धि है। यह लेख 7.8 प्रतिशत के आंकड़े को लेकर चल रहे विवाद के बारे में नहीं है। हम इस आंकड़े को सही मान सकते हैं। तो क्या यह निराशा बहुत ज़्यादा नकारात्मक सोच को दर्शाती है? समृद्धि के साथ उम्मीदें भी बढ़ती हैं। हर बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसे व्यवसाय होते हैं जो संघर्ष कर रहे होते हैं और कुछ ऐसे नौकरी चाहने वाले होते हैं जो निराश होते हैं। कुछ लोगों से हुई बातचीत के आधार पर भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश की स्थिति का सही आकलन नहीं किया जा सकता। फिर भी, बेचैनी के सबूत सिर्फ कुछ लोगों के अनुभवों तक सीमित नहीं हैं। रिजर्व बैंक के सितंबर महीने के 'शहरी उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण' में वर्तमान स्थिति सूचकांक दर्ज किया गया। यह मार्च 2023 के बाद का सबसे निचला स्तर है और 100 के तटस्थ (न्यूट्रल) स्तर से भी नीचे है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 54.5 प्रति सैकड़ा लोगों का मानना था कि पिछले एक साल में आर्थिक स्थिति खराब हुई है, जबकि 25.3 फीसदी लोगों को लगा कि इसमें सुधार हुआ है। ग्रामीण इलाकों से मिले जवाब भी काफी कुछ बताते हैं। केवल 20.6 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उनकी आय एक साल पहले की तुलना में बढ़ी है, जबकि 30.5 फीसदी का कहना था कि उनकी आय में गिरावट आई है। इस तरह के नतीजे आम धारणाओं या राजनीतिक टिप्पणियों की तुलना में परिवारों की परेशानी को एक ठोस आधार देते हैं। हालांकि आरबीआई के सर्वेक्षणों में व्यापक निराशावाद नहीं दिखता। शहरी परिवार आने वाले वर्ष को लेकर आशावादी बने रहे। इस प्रकार वर्तमान असंतोष सुधार की उम्मीदों के साथ-साथ मौजूद है। अर्थव्यवस्था को एक समान रूप से संकटग्रस्त बताना इस प्रमाण की अनदेखी करना होगा। तेज़ जीडीपी वृद्धि और घरेलू चिंता के बीच कोई आवश्यक विरोधाभास नहीं है। जीडीपी अर्थव्यवस्था में उत्पादन को मापता है। यह स्थापित नहीं करता कि अतिरिक्त आय कितनी व्यापक रूप से वितरित है, क्या रोजगार सुरक्षित है या समान जीवन स्तर बनाए रखने के लिए किसी को कितना अधिक काम करना पड़ता है। मान लीजिए कि एक करोड़पति एक कमरे में प्रवेश करता है। औसत संपत्ति तुरंत बढ़ जाती है हालांकि वहां पहले से मौजूद कोई भी व्यक्ति अमीर नहीं हो जाता। यहां तक कि प्रति व्यक्ति जीडीपी जो जनसंख्या के अनुसार उत्पादन को समायोजित करता है, यह नहीं बता सकता कि एक सामान्य परिवार पर क्या प्रभाव पड़ा है। विकास की संरचना मायने रखती है। पूंजी-प्रधान गतिविधियां और विशिष्ट सेवाएं अपेक्षाकृत कम लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देते हुए भी पर्याप्त उत्पादन और आय उत्पन्न कर सकती हैं। कॉर्पोरेट लाभ मजदूरी की तुलना में कहीं अधिक तेज़ी से बढ़ सकते हैं और ऐसा वास्तव में हुआ है। इन गतिविधियों में केंद्रित विकास, विभिन्न व्यवसायों और कौशल स्तरों में प्रचुर मात्रा में रोजगार सृजित करने वाले विस्तार से अलग महसूस होगा। भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव ने ग्रामीण क्षेत्रों में कम वास्तविक मजदूरी और अच्छे रोजगारों के अपर्याप्त सृजन सहित इन्हीं संरचनात्मक चिंताओं की ओर ध्यान दिलाया है। ये चिंताएं बुनियादी ढांचे, बैंकिंग और डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों के साथ-साथ मौजूद हैं।

कृषि प्रधान देश में ... — सौरभ वार्ष्णेय

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुशखबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतर-राष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है।

जरा हटके

लोकतंत्र को हुंकार ... — ललित गर्ग

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने

लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है?

रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस

आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है।

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता।

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है।

कुशीनगर में पिता-2 बेटे समेत 6 की मौत

ट्रेलर और ईको वैन में टक्कर, तिलक के फंक्शन से लौट रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

हाटा (कुशीनगर)। कुशीनगर में ट्रेलर और मारुति ईको वैन की आमने-सामने की टक्कर हो गई। वैन सवार पिता-दो बेटों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। सभी लोग रिश्तेदार के तिलक समारोह से होकर लौट रहे थे। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार 8 लोग अंदर ही फंस गए। धमाके जैसी आवाज हुई। ट्रेलर का केबिन टूटकर मुड़ गया। सड़क पर वैन के पार्ट्स बिखर गए। आगे का हिस्सा पिचककर पीछे से सीटों से भिड़ गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गैस कटर से ईको के गेट काटकर फंसे लोगों को निकाला। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 46 किमी दूर नेशनल हाईवे-28 पर हाटा कोतवाली क्षेत्र में सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुआ। मृतकों में रामबिलास प्रसाद (65), उनके बड़े बेटे कन्हैया प्रसाद (40), छोटे बेटे राम मिलन (35), पड़ोसी मृदुल मिश्रा (37), भतीजे रंजय (35) और चालक मिथलेश (22) शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भलूही गांव के रहने वाले रामबिलास प्रसाद रहते थे। उनके बड़े कन्हैया प्रसाद की पत्नी कमलावती मौजूदा ग्राम प्रधान हैं। रामबिलास के एक रिश्तेदार का तिलक महाराजगंज से हाटा कोतवाली क्षेत्र के देवराज पिपरा गांव आया था।

इनकी हुई मौत

प्रधान के ससुर व चालक का सिर फटा

टक्कर के बाद तेज धमाके जैसी आवाज हुई। टक्कर के बाद वैन पूरी तरह से पिचक गई। वैन चला रहे मिथलेश और आगे बैठे रामबिलास का सिर बुरी तरह फट गया। पीछे वाली सीट पर बैठे कन्हैया प्रसाद, राम मिलन, मृदुल मिश्रा और रंजय गुप्ता के सिर और चेहरे पर चोट लगी। 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि वैन फंसकर आयुष और आर्यन घायल होकर तड़पने लगे। ट्रेलर टक्कर के बाद सड़क किनारे उतर गया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया।

टक्कर के बाद ट्रक का केबिन टूटकर मुड़ गया।

तिलक में शामिल होकर लौट रहे थे

तिलक में शामिल होने के लिए रामबिलास अपने दो बेटों कन्हैया प्रसाद, राम मिलन और राम मिलन के दोनों बेटे आयुष और आर्यन को लेकर गांव से जा रहे थे। इसके लिए उन्होंने गांव के ही मिथिलेश की ईको वैन बुक की थी। जाते समय प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया ने अपने पड़ोसी मृदुल मिश्रा और भतीजे रंजय गुप्ता को भी साथ में ले लिया। वैन में सभी 8 लोग सवार होकर देवराज पिपरा गए। वहां कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी रात को घर भलूही गांव लौट रहे थे।

897 महिलाओं के शौचालय अनुदान के आवेदन जमा

34 ग्राम सभाओं के आवेदन दस्तावेजों सहित जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ग्रामीण परिवारों को शौचालय निर्माण के लिए सरकारी अनुदान दिलाने की प्रक्रिया के तहत लखनऊ की 34 ग्राम सभाओं से जुटाए गए 897 आवेदन जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपे गए हैं। ये आवेदन 'हर घर इज्जत घर' योजना के तहत पात्र परिवारों की ओर से दिए गए हैं। भाजपा के जिला मंत्री संजीव कुमार मिश्रा उर्फ फंटन ने सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन कार्यालय में जमा कराए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी से आग्रह किया कि पात्र महिलाओं और परिवारों को शौचालय निर्माण के लिए जल्द से जल्द सरकारी अनुदान उपलब्ध कराया जाए। अधिकारी की ओर से आवेदनों पर कार्रवाई कर जल्द अनुदान दिलाने का आश्वासन दिया गया है। शौचालय अनुदान के लिए आवेदन लतीफनगर, परवर पूरब, सोसीरन खेड़ा, हिम्मत खेड़ा, बहादुर खेड़ा, कुड़ौनी, ऐन, काजीखेड़ा, पान खेड़ा, बेंती, जैतीखेड़ा, सोहावा, भागूखेड़ा, रानीपुर, हुल्लीखेड़ा, माती, गांधीनगर, पुरैना, शाहपुर मझिगवां, मेमौरा, गढ़ी, गढ़ी-मवइया, मेड़ई खेड़ा, नीवां, चकौली, बनी, खटोला, सादुल्लाखेड़ा और ईंटगांव समेत अन्य ग्राम सभाओं से जुटाए गए हैं। सभी 897 आवेदनों के साथ जरूरी दस्तावेज भी जमा कराए गए हैं, ताकि पात्रता के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सके। 'हर घर इज्जत घर' योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को शौचालय निर्माण के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। इस पहल का उद्देश्य उन पात्र परिवारों तक सरकारी योजना का लाभ पहुंचाना है, जिन्हें अब तक शौचालय निर्माण के लिए अनुदान नहीं मिल पाया है।

फास्ट न्यूज

ब्राह्मण सम्मेलन में हंगामा, केशव को बोलने से टोका

प्रयागराज। प्रयागराज में प्रबुद्ध ब्राह्मण सम्मेलन में डिप्टी सीएम केशव मौर्य के भाषण के दौरान हंगामा हो गया। केशव सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, तभी दो युवकों ने हाथ उठाकर कहा- केशवजी, UGC पर भी कुछ कहिए। इस पर डिप्टी सीएम नाराज हो गए। उन्होंने कहा- चुप रहो, चलो। मैं सब कुछ बोलूंगा। मैं कोई चीज बोलने से कभी नहीं रुकता हूं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाएं निपटाईं

अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की रकम की कथित चोरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाओं का निपटारा कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को निचली अदालत में चलने वाले मुकदमे की सुनवाई के दौरान अपनी बात रखने और कार्यवाही में सहायता करने की अनुमति दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने मामले के आरोपों की सच्चाई पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अब मामले की आगे की सुनवाई अयोध्या की निचली अदालत में होगी।

भाकियू उज्ज्वल ने किसानों और ग्रामीणों की समस्याएं उठाईं

बागपत। बागपत में भारतीय किसान यूनियन (उज्ज्वल) ने किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सोमवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इसमें गन्ने के बकाया भुगतान पर ब्याज देने, न्यायालय के आदेश के अनुसार जल्द भुगतान कराने और पेराई सत्र 2026-27 शुरू होने से पहले गन्ने का भाव घोषित करने की मांग की गई।

हरी झंडी दिखाकर यातायात माह नवंबर का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद में सोमवार को यातायात माह नवंबर 2026 का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर तथा पुलिस उपाधीक्षक यातायात ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर अधिकारियों ने यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अभियान चलाने का संदेश दिया। यातायात माह के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद के अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

लीडरशिप वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने खोजे सामाजिक समस्याओं के समाधान

छह समूहों में बंटकर किया सर्वेक्षण, कम्युनिकेशन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता का सीखा हुनर

तमसा संकेत, संवाददाता

सोनई (मथुरा)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज सोनई में विद्यार्थियों की नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय लीडरशिप वर्कशॉप में छात्र-छात्राओं ने सामाजिक समस्याओं को समझने और उनके समाधान तलाशने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश कुमार यादव के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, टीमवर्क, निर्णय क्षमता, नेतृत्व कौशल और सामुदायिक सेवा के गुर सिखाए गए। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को छह समूहों में विभाजित कर विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक विषयों पर फील्ड सर्वे कराया गया।

विद्यार्थियों ने लोगों से सीधे संवाद कर जानकारियां जुटाईं और उनके आधार पर केस स्टडी तैयार कर प्रस्तुतियां दीं। छह समूहों ने युवाओं में मतदाता जागरूकता, मजदूरों की बदलती जीवनशैली और कार्य आदतें, व्यावसायिक शिक्षा एवं रोजगार, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन, स्वरोजगार में तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग जैसे विषयों का अध्ययन किया।

सर्वेक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने लोगों के विचार जाने और प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण कर निष्कर्ष प्रस्तुत किए। इस गतिविधि से उनमें संवाद करने, सवाल पूछने, तथ्यों को समझने, सामूहिक रूप से काम करने और अपने विचार प्रभावी ढंग से रखने का आत्मविश्वास विकसित हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश कुमार यादव ने कहा कि सच्चा नेतृत्व केवल स्वयं आगे बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि दूसरों को साथ लेकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व के साथ संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षा को पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों को समाज और वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यशाला के समापन पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से संदेश दिया कि युवा केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान में भी सामाजिक बदलाव के वाहक बन सकते हैं।

अखिलेश को पता नहीं जाना कहां है : आकाश आनंद

भाजपा फ्री राशन बांटकर बच्चों का भविष्य बिगाड़ रही

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में सोमवार को बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने जनसभा की। उन्होंने कहा- सपा भाजपा की बी-टीम है। तभी भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी के बेटे धनराज नाथवानी को टिकट दिया। आकाश ने कहा- अखिलेश यादव की राजनीति की दिशा ही तय नहीं है। कभी PDA में पंडितों की बात होती है तो कभी पिछड़ों की। यूपी में भाजपा की डबल इंजन की सरकार है, इसीलिए तेल ज्यादा पीती है। भाजपा और सपा दोनों की सरकारों में जंगलराज देखने को मिला। प्रदेश में 25 हजार सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों की भर्ती अब तक अधूरी है। युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। सरकार सुरक्षा, शिक्षा व रोजगार देने में नाकाम है।

आकाश आनंद ने कहा कि सपा-कांग्रेस ने संविधान की किताब दिखाकर बहुजन समाज से वोट मांगे, लेकिन समाज के हित में कोई काम नहीं किया। अखिलेश यादव की चौधरी चरण सिंह के परिवार पर टिप्पणी को भी उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। आकाश आनंद ने कहा कि गुर्जर हो या जाट, हर समाज के लोग बहुजन समाज पार्टी के समर्पित सिपाही हैं। सभी वर्गों के लोग बहन मायावती को अपना नेता मानते हैं। उन्होंने कहा कि बसपा का आंदोलन सभी समाजों को साथ लेकर चलने का काम करता है।

महोली हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

राधिका सिटी के पास पुलिस और एसओजी की घेराबंदी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के महोली में 28 अक्तूबर को रोहतास की गोली मारकर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी विशाल उर्फ विकास को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। रविवार रात महोली-पालीखेड़ा मार्ग पर राधिका सिटी के पास थाना हाईवे पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। आरोपी के कब्जे से .315 बोर का तमंचा, तीन खोखे, एक जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, एक नवंबर की रात करीब 11:15 बजे मुखबिर से आरोपी की मौजूदगी की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने राधिका सिटी के पास घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस मुठभेड़ में महोली निवासी विशाल उर्फ विकास (30) पुत्र होरीलाल को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में तमंचे की नाल में फंसा एक खोखा कारतूस भी मिला।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और बीएनएस की धारा 109(1) के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ हाईवे, कोतवाली और मगोर्रा थानों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, मारपीट और एससी-एसटी एक्ट के मामले शामिल हैं।

28 अक्तूबर को महोली में हुए विवाद के बाद रोहतास की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में विशाल मुख्य आरोपी के रूप में वांछित था। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना हाईवे प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल और एसओजी प्रभारी संदीप कुमार सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

बरेली कॉलेज में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग की तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

4 नवंबर तक चलेगी ऑनलाइन कार्यशाला, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को सैटेलाइट इमेज प्रोसेसिंग से लेकर रोजगार के अवसरों तक की मिलेगी जानकारी।

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग और एनवायरनमेंट, एग्रीकल्चर एंड एजुकेशन सोसाइटी (EAES), बरेली के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार, 2 नवंबर से जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग के मूलभूत सिद्धांतों पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला शुरू हुई। 2 से 4 नवंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। कार्यशाला का शुभारंभ प्रो. अनामिका अग्रवाल ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव एवं पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) और रिमोट सेंसिंग की तकनीकों से परिचित कराना है। इसके जरिए पर्यावरणीय निगरानी, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन, कृषि, आपदा प्रबंधन और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में इन तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी जा रही है। आयोजकों के अनुसार, इन तकनीकों की मदद से भौगोलिक क्षेत्रों और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण किया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलती है।

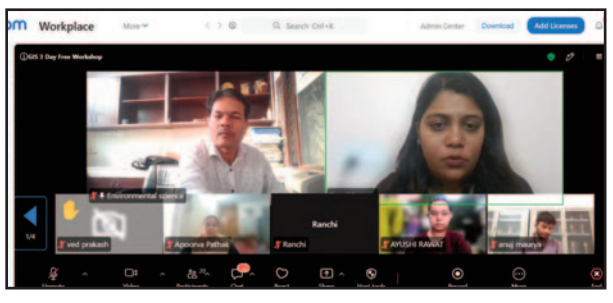

रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित करने पर जोर

आयोजन सचिव एवं पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने बताया कि मौजूदा समय में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग तकनीक पर्यावरण संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन, कृषि, शहरी नियोजन और आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों और शोधार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान के साथ रोजगार से जुड़े कौशल विकसित करने का अवसर देती हैं। कार्यशाला में बरेली कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव देव मूर्ति मुख्य संरक्षक, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय संरक्षक और उपप्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा सह-संरक्षक की भूमिका निभा रहे हैं।

फायरिंग : हमीरपुर पुलिस ने दोनों पैरों में गोली मारी, घर से बच्ची उठा ले गया था

बच्ची की रेप के बाद हत्या करने वाले का एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

> एएसपी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया- आरोपी हीरा को गिरफ्तार करने के बाद टीम सबूत जुटाने के लिए घटनास्थल पर ले जा रही थी। हीरा ने पावर हाउस के पीछे तमंचा छिपाकर रखा था। उसने उसी तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी। उसे पहले सीएचसी और फिर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

हमीरपुर। हमीरपुर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप कर हत्या करने वाले आरोपी का पुलिस ने एनकाउंटर किया। सोमवार सुबह 6 बजे पुलिस उसे घटनास्थल पर ले गई थी। आरोपी ने वहां छिपाकर रखे तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लग गई। पुलिस उसे कंधों पर टांगकर जिला अस्पताल ले गई। मुठभेड़ जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर मुस्कुरा इलाके में हुई। आरोपी रविवार दोपहर बच्ची को घर के बाहर से उठा ले गया था। उसे अरहर के खेत में ले जाकर रेप किया। इसके बाद पैजामी से गला कसकर उसकी हत्या कर दी थी।

पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस ने शव लेने की कोशिश की तो ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा और तोड़फोड़ की। आक्रोशित ग्रामीणों ने सीओ की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया था। पुलिस के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। कस्बा मुस्करा में रहने वाली बच्ची रविवार दोपहर घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान कस्बे का ही रहने वाला हीरा उसे बहलाकर अपने साथ ले गया। वह बच्ची को नई बस्ती के पास अरहर के खेत में ले गया। घरवालों का आरोप है कि वहां बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव खेत में छोड़कर घर लौट आया।

बच्ची के पिता ने बताया- शाम 4 बजे बेटी घर और आसपास नहीं मिली। हम लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। पड़ोसियों के साथ खेतों और आसपास के इलाकों में बच्ची को खोजा। इसके बाद उसके लापता होने की सूचना पुलिस को दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

किसी को आरोपी पर शक न हो, इसलिए हीरा भी घरवालों के साथ बच्ची की तलाश करता रहा। हालांकि, घरवालों को उसकी गतिविधियों पर शक हो गया। इसके बाद उन्होंने उसे पकड़ लिया। पूछताछ की तो उसने बताया कि बच्ची का शव अरहर के खेत में पड़ा है। इसके बाद घरवालों ने बच्ची का शव बरामद किया।

इधर, सूचना पर पहुंची पुलिस ने हीरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। बच्ची का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के दौरान घरवालों और ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस की 6 से अधिक गाड़ियों में तोड़फोड़ की।

संतान प्राप्ति की कामना लेकर राधाकुंड में उमड़ा आस्था का सैलाब

अहोई अष्टमी पर आधी रात को राधा-कुंड और श्याम-कुंड में हुआ स्नान

तमसा संकेत, संवाददाता

राधाकुंड (मथुरा)। विश्व प्रसिद्ध अहोई अष्टमी मेले पर सोमवार की आधी रात राधाकुंड में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। संतान प्राप्ति की कामना लेकर देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं और नवविवाहित दंपतियों ने राधा-कुंड और श्याम-कुंड में आस्था की डुबकी लगाई। मान्यता के अनुसार दंपतियों ने पैंठा (पेठा) फल राधारानी को अर्पित कर संतान प्राप्ति की मनोकामना की। अहोई अष्टमी पर्व पर राधाकुंड के संगम पर श्रद्धा, भक्ति और परंपरा का अद्भुत नजारा देखने को मिला। शाम चार बजे से ही श्रद्धालु राधा-कुंड और श्याम-कुंड के घाटों की सीढ़ियों पर कतारबद्ध होकर बैठ गए। रात होते-होते घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भर गए। चारों ओर राधारानी के जयकारे, भजन और संकीर्तन गूंजते रहे। रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते घाटों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। रात्रि 12 बजे स्नान का समय होते ही श्रद्धालुओं का रेला कुंडों की ओर उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से स्नान कर राधारानी की पूजा-अर्चना की और संतान प्राप्ति की कामना की। मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने राधाकुंड को जोड़ने वाले मार्गों, गलियों और सड़कों का जायजा लेकर श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बनाए रखने के निर्देश दिए। स्नान के बाद श्रद्धालुओं से आगे बढ़ने की अपील की गई, ताकि अन्य लोगों को भी स्नान का अवसर मिल सके। कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सभी घाटों पर निगरानी की गई। डीएम और एसएसपी ने पल-पल की स्थिति पर नजर रखी और पुलिसकर्मियों को लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करने तथा आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहने के निर्देश दिए।

डीएम और एसएसपी ने कंट्रोल रूम से लेकर घाटों तक संभाली व्यवस्था, सीसीटीवी से हुई निगरानी

उम्र-30, आगरा में मां-पत्नी बेहोश, बोलीं- सीनियर टॉर्चर करते, छुट्टी नहीं देते थे

रेलवे अफसर का डीआरएम ऑफिस में शव कुर्सी पर मिला

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा रेल मंडल के DRM ऑफिस में 30 साल के असिस्टेंट ऑपरेशंस मैनेजर (AOM) का शव उनके चैंबर में मिला। रविवार देर रात तक अभिषेक सिंह घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। उन्होंने ऑफिस में फोन किया। साथी कर्मचारी उनके चैंबर के पास पहुंचे। चैंबर खुला था और अभिषेक सिंह कुर्सी पर मृत मिले। मुंह से झाग निकल रहा था। आसपास कुछ गोलियां पड़ी थीं। अभिषेक रविवार सुबह ऑफिस आए थे। दोपहर 3 बजे

घर गए और वहां से एक डायरी लेकर लौटे। इसके बाद घर नहीं पहुंचे। रात 9 बजे तक अभिषेक के घर न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने फोन किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इसके बाद साथी कर्मचारियों को फोन कर बताया कि अभिषेक घर नहीं आए हैं। पत्नी आस्था ने बताया कि सीनियर अधिकारी उनके पति को प्रताड़ित कर रहे थे। अभिषेक कहते थे कि सब फिर ठीक हो जाएगा। मुझे ट्रेनिंग पर भी नहीं जाने दे रहे हैं। दो बार नाम आया, लेकिन दोनों बार मेरी ट्रेनिंग कैंसिल कर दी।

घर के इकलौते बेटे थे, तनाव में चल रहे थे

AOM अभिषेक सिंह परिवार के इकलौते बेटे थे। 3 महीने पहले ही उनका प्रयागराज से आगरा ट्रांसफर हुआ था। वह DRM ऑफिस कैंपस में बने सरकारी आवास में पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी आस्था, मां सुशीला और दो बच्चे हैं। उनका एक बेटा 4 महीने पहले ही पैदा हुआ था।उनके घर और ऑफिस के बीच करीब 200 मीटर की दूरी है। बताया जा रहा है कि अभिषेक काफी दिनों से तनाव में थे।

बेटे की मौत की जानकारी होने पर मां की भी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तुरंत रेलवे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

शव देखकर मां-पत्नी फूट-फूटकर रोईं

कुछ देर बाद साथियों ने परिजनों को अभिषेक की मौत की सूचना दी। यह सुनते ही घरवाले ऑफिस पहुंचे। शव देखकर पत्नी आस्था और मां सुशीला देवी फूट-फूटकर रोने लगीं। अभिषेक की मौत की खबर से DRM ऑफिस में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची और जांच-पड़ताल की।

पत्नी आस्था और बड़े बेटे के साथ अभिषेक सिंह। (फाइल फोटो)

माना जा रहा है कि उन्होंने सुसाइड किया है। शव देखकर मां बेहोश हो गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा है। पत्नी आस्था ने आरोप लगाया कि अधिकारी उन्हें प्रताड़ित करते थे। इधर, सोमवार सुबह रेलवे कर्मचारी भड़क गए हैं। डीआरएम ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 'कर्मचारियों का शोषण बंद करो', अधिकारियों को जेल भेजो' जैसे नारे लगा रहे हैं।

400 परिवारों तक पहुंचा मतदाता जागरूकता का संदेश

● सोनई के विद्यार्थियों ने किया घर-घर सर्वेक्षण, जानी मतदान जागरूकता की स्थिति।

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता जागरूकता बढ़ाने की दिशा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई के विद्यार्थियों ने अनूठी पहल की। मतदाता साक्षरता क्लब (ELC) के तत्वावधान में विद्यार्थियों की टीम ने जिला कोऑर्डिनेटर ELC डॉ. अखिलेश यादव के दिशा-निर्देशन में लगभग 400 परिवारों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया। मतदाता साक्षरता क्लब की प्रभारी डॉ. प्रियंका सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने परिवारों से संवाद कर 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सदस्यों, मतदाता सूची में नाम दर्ज होने, नए मतदाता पंजीकरण, Form-6, मतदान केंद्र की जानकारी तथा मतदान के प्रति जागरूकता से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। विद्यार्थियों ने लोगों को मतदान

के महत्व तथा लोकतंत्र में सक्रिय नागरिक की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी। सर्वेक्षण अभियान में विद्यालय के कैंपस एंबेसडर प्रियांशु एवं मनु सहित विद्यार्थियों ने उत्साह-पूर्वक भाग लिया। विद्यार्थी टीम ने ग्रुप लीडर पवन कुमार के नेतृत्व में सर्वेक्षण कार्य को व्यवस्थित रूप से पूरा किया। विद्यार्थियों ने सर्वे के दौरान प्राप्त जानकारी को संकलित कर मतदाता जागरूकता की स्थिति का अध्ययन भी किया। जिला कोऑर्डिनेटर ELC डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के माध्यम से परिवारों तक पहुंचना मतदाता जागरूकता का प्रभावी माध्यम है। ऐसे सर्वे विद्यार्थियों में शोध, संवाद और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ते हैं।

फास्ट न्यूज

आगरा विश्वविद्यालय युवोत्सव का समापन

आगरा। डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय युवा महोत्सव का रविवार को शिवाजी मंडपम में भव्य समापन हुआ। तीन दिन तक चले युवोत्सव में विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों और संबद्ध कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक, साहित्यिक और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सर्वाधिक पुरस्कार जीतने पर आगरा कॉलेज को स्व. जितेन्द्र रघुवंशी चल वैजयंती ट्रॉफी दी गई।

युवक की संदिग्ध हालत में मौत

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर इलाके में दोस्तों के साथ रात में रुके 18 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। सोमवार सुबह उसके दोस्त ने फोन कर परिजन को बताया कि अजीत सीढ़ी से गिर गया है। परिजनों को जिला अस्पताल पहुंचने को कहा। मां अस्पताल पहुंची तो बेटे की मौत हो चुकी थी। मृतक की मां ने दोस्तों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। रात के समय युवक दोस्तों के साथ पार्टी में शामिल हुआ था। बिहार के गोपालगंज निवासी विजय मिश्रा शाहपुर इलाके के सरस्वती-पुरम कालोनी, लेन नंबर एक में किराये पर रहते है।

अहोईअष्टमी पर श्रद्धालुओं ने किया राधाकुंड में महास्नान

मथुरा। मथुरा के राधाकुंड में अहोई अष्टमी पर आधी रात को श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर महास्नान किया। उन्होंने राधा रानी के जयकारे लगाए और हाथ जोड़कर संतान प्राप्ति की मनोकामना मांगी। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग स्थित राधाकुंड में महास्नान के लिए देर शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। स्नान करने के लिए दंपत्ति घाटों पर इंतजार करते रहे।

रोता हुआ मिला आठ वर्षीय मासूम, पुलिस ने कुछ ही घंटों में परिवार से मिलाया

बच्चे को सुरक्षित पाकर छलके परिजनों के आंसू

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घर से बिछड़े आठ वर्षीय मासूम बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिला दिया। बच्चे के मिलने पर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए और उन्होंने पुलिस टीम का आभार जताया। जानकारी के अनुसार, एक नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे कोतवाली क्षेत्र के लिंक रोड पर पीआरवी-112 को आठ वर्षीय बच्चा रोता हुआ मिला। बच्चा काफी डरा-सहमा था और अपने माता-पिता या घर का पता बताने में असमर्थ था। पीआरवी कर्मियों ने बच्चे को चौकी कृष्णा नगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। चौकी प्रभारी संजीव कुमार और उनकी टीम ने पहले बच्चे को ढांढस बंधाया और पानी-बिस्कुट खिलाकर सहज किया। इसके बाद पुलिस ने बच्चे की तस्वीर सोशल मीडिया ग्रुप और आसपास के थानों

में प्रसारित कर उसकी पहचान कराने के प्रयास शुरू किए। पुलिस के इस प्रयास से कुछ ही समय में बच्चे की पहचान गोविंद नगर थाना क्षेत्र के डीग गेट निवासी परिवार के रूप में हो गई। सूचना मिलने पर परिजन चौकी कृष्णा नगर पहुंचे, जहां पुलिस ने बच्चे को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया। अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने मथुरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक संजीव कुमार (चौकी प्रभारी कृष्णा नगर), उपनिरीक्षक उदयवीर सिंह, कांस्टेबल धीरज कुमार, दीपक कुमार, धर्मेंद्र कुमार और मुकुल कुमार शामिल रहे।

सपा के डा. संजयन ने सजायी सुरों की महफिल

शिक्षक एमएलसी चुनाव में हार के 4 दिन बाद मस्ती में झूमे, गाना गाया

जवाब

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक स्नातक क्षेत्र से सपा के प्रत्याशी रहे डा. संजयन त्रिपाठी हार को भुलाकर आगे की राजनीतिक पारी में जुट गए हैं। जो लोग यह कह रहे थे कि डा. संजयन इस हार से सदमे में हैं, उन्हें उन्होंने करारा जवाब दिया है। परिणाम आने के महज 4 दिन बाद ही उन्होंने पुराने दोस्तों के साथ अपने घर पर सुरों की महफिल सजायी। गीत-संगीत के बीच जमकर झूमे और खुद भी गुनगुनाया। उन्होंने शेवान बिजनौरी की लिखी और पंकज उधास द्वारा गायी गजल 'चांदनी रात में चाँद के सामने,रुख से परदा हटाना गज़ब हो गया' गुनगुनाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हालांकि डा. संजयन ने इस महफिल की जानकारी खुद से सार्वजनिक नहीं की लेकिन

डा. संजयन त्रिपाठी डिग्री कॉलेज में हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष हैं और साहित्यकार हैं। राजनीति से अलग अपनी आवाज को लेकर भी वह पहचाने जाते हैं। संगीत से भी उनका जुड़ाव है। 31 अक्टूबर की रात डा. संजयन त्रिपाठी ने अपने कुछ शुभचिंतकों को आवास पर आमंत्रित किया था। वहां गीत-संगीत की महफिल भी सजी और संजयन ने अपनी गायिकी की प्रतिभा भी दिखाई।

उसमें शामिल रहे कुछ लोगों ने इसे अपने फेसबुक वाल से पोस्ट किया है। इस महफिल में रेल कर्मचारी नेता सुभाष दूबे, लोक गायक राकेश श्रीवास्तव सहित कई डॉक्टर व अन्य लोग उपस्थित रहे। डा. संजयन को टिकट देने के साथ ही अखिलेश यादव ने ब्राह्मणों के बीच पैठ बनाने की कोशिश की। पहले से ही स्व. हरिशंकर तिवारी का परिवार सपा में है। शिक्षक एमएलसी चुनाव में संजयन के सपा में जाने को लेकर खूब चर्चा रही। उन्हें मिले मतों के बाद यह माना जा रहा है कि ब्राह्मण मतदाताओं ने उन्हें भी तवज्जो दी है। सपा प्रत्याशी होने के बाद भी ब्राह्मण मतदाताओं के वोट उन्हें ठीक-ठाक मिले।

संजयन को मिले थे 9503 वोट, मतगणना का बहिष्कार किया था

सपा प्रत्याशी के तौर पर डा. संजयन को शिक्षक एमएलसी चुनाव में प्रथम व द्वितीय वरीयता के मत मिलाकर 9503 वोट मिले थे और वह तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि प्रथम वरीयता के मतों की चौथे चक्र की मतगणना के बीच ही अनियमितता का आरोप लगाते हुए सपा कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने मतगणना का बहिष्कार कर दिया था और बाहर चले आए थे।

हार के बाद भी अखिलेश यादव ने खूब तवज्जो दी

डा. संजयन पर भरोसा जताते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन्हें टिकट दिया था। लेकिन वह जीत नहीं दर्ज कर सके। इसके बावजूद उन्हें खूब तवज्जो मिली। सभी सीटों के परिणाम आने के बाद सपा प्रमुख ने लखनऊ में पत्रकार-वार्ता की और उसमें जीते हुए उम्मीदवारों के साथ संजयन को भी बुलाया। संजयन अकेले ऐसे उम्मीदवार थे, जो हारने के बाद भी सपा प्रमुख के साथ मुख्य मंच पर मौजूद रहे। अखिलेश ने सार्वजनिक रूप से तो उनकी तारीफ की ही, सपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच भी संजयन को खूब सराहा। सपा कार्यालय से लोहिया भवन तक उन्हें अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गए।

आगरा में बदमाशों ने कमरों की कुंडी बाहर से लगा दी, डायमंड-गोल्ड की ज्वेलरी ले गए

पीवीसी कारोबारी के कोठी में 70 लाख की हुई चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। शहर के कमला नगर स्थित प्रोफेसर कॉलोनी में चोरों ने एक PVC कारोबारी की कोठी को निशाना बनाते हुए करीब 70 लाख रुपये के सोने-हीरे और चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। रविवार की रात तीन नकाबपोश चोर घर में दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों को अलग-अलग कमरों में बंद कर दिया और इत्मीनान से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से करीब 500 से 600 ग्राम सोने और डायमंड की ज्वेलरी समेटकर फरार हो गए। सोमवार सुबह जब कारोबारी की पत्नी टॉयलेट जाने के

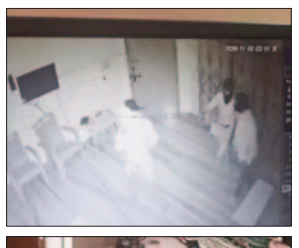

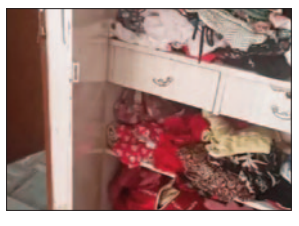

लिए उठीं और कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तब परिवार को चोरी की जानकारी हुई।

रात में घर में दाखिल हुए तीन नकाबपोश चोर

पीड़ित कारोबारी संदीप अग्रवाल के मुताबिक, घटना के समय घर में परिवार के छह सदस्य मौजूद थे। सभी सदस्य रात में अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। इसी दौरान तीन नकाबपोश चोर घर के अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने सबसे पहले परिवार के सदस्यों के कमरों के दरवाजों की बाहर से कुंडी लगा दी, ताकि कोई बाहर न निकल सके और उन्हें चोरी करने में किसी तरह की परेशानी न हो। परिवार के सभी सदस्य अपने कमरों में बंद रहे और चोर घर के दूसरे हिस्सों में रखे सामान को खंगालते रहे। इसके बाद उन्होंने अलमारी और अन्य जगहों पर रखे कीमती जेवरात चोरी कर लिए।

सुबह चार बजे पत्नी ने खोला चोरी का राज

कारोबारी संदीप अग्रवाल ने बताया कि सोमवार सुबह करीब चार बजे उनकी पत्नी टॉयलेट जाने के लिए सोकर उठीं। उन्होंने कमरे का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा बाहर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने पति को इसकी जानकारी दी। इसके बाद संदीप अग्रवाल ने कोठी के दूसरे हिस्से में रह रहे अपने पिता को फोन किया। पिता ने आकर कमरे का दरवाजा खोला। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि ड्राइंग रूम का दरवाजा भी खुला हुआ है। यह सुनकर परिवार को किसी अनहोनी की आशंका हुई।

पीड़ित के अनुसार, घर से करीब 500 से 600 ग्राम सोने और डायमंड के जेवरात चोरी हुए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 65 से 70 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा घर में सामान भी अस्त-व्यस्त मिला। परिवार ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

डीएपी के मुकाबले एनपीके उर्वरक किसानों के लिए बेहतर और लाभदायक : आवेश कुमार

रबी फसलों की बुवाई में संतुलित उर्वरकों के प्रयोग की सलाह

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। रबी फसलों की बुवाई के बीच कृषि विभाग ने किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरक के प्रयोग को प्राथमिकता देने की सलाह दी है। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने बताया कि एनपीके उर्वरक में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश संतुलित मात्रा में उपलब्ध होते हैं, जो फसलों की बेहतर वृद्धि और उत्पादन में सहायक हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में सरसों, आलू, गेहूं, दलहन एवं तिलहन फसलों की बुवाई चल रही है। किसानों को फसल की आवश्यकता के अनुसार एनपीके के विभिन्न अनुपातों का प्रयोग करना चाहिए। बाजार में 12:32:16, 14:35:14, 19:19:19, 15:15:15, 16:16:16, 20:20:0:13 और 10:26:26 जैसे मिश्रण उपलब्ध हैं। जिला कृषि अधिकारी के अनुसार एनपीके में मौजूद पोटाश और कुछ मिश्रणों में सल्फर फसलों की गुणवत्ता तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं। खाद्यान्न एवं दलहनी फसलों में 12:32:16, कंद एवं तिलहनी फसलों में 10:26:20, सब्जियों और फल-फूल वाली फसलों में 16:16:16 तथा गन्ना एवं केला में 15:15:15 अनुपात के उर्वरक का प्रयोग किया जा सकता है। आवेश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद के बफर गोदामों एवं बिक्री केंद्रों पर यूरिया 31,558 मीट्रिक टन, डीएपी 7,365 मीट्रिक टन और एनपीके 5,574 मीट्रिक टन उपलब्ध है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी बोई गई फसल और भूमि के अनुसार ही उर्वरकों की खरीद करें। उन्होंने बताया कि किसान टीएसपी 46 प्रतिशत उर्वरक के एक बैग में 18 से 20 किलोग्राम यूरिया मिलाकर आलू, गेहूं, दलहन एवं तिलहनी फसलों की बुवाई कर सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों और कार्बन की कमी हो रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'मूर्ति से परेशानी है...

ऐसे में किसी की श्रद्धा पर रोक लगाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि मूर्ति स्थापना को लेकर किसी को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'किसी सपाई और किसी कसाई को अगर मां दुर्गा की मूर्ति स्थापना से परेशानी होती है तो उसे बोलो अपने घर में शोक मनाए, लेकिन किसी को परेशान मत करे।' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस बार त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए और पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कांवड़ यात्रा का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि इस बार हरिद्वार से गाजियाबाद के बीच आयोजित कांवड़ यात्रा में साढ़े चार करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। गोंडा दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने गौरा और मनकापुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए करीब 520 करोड़ रुपये की लागत वाली 69 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें सड़क, शिक्षा और सेतु निर्माण से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और चेक भी दिए गए। इन परियोजनाओं के जरिए क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने और विकास कार्यों को गति देने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो रहे हैं। गोंडा की जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक आयोजनों, कांवड़ यात्रा और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को उठाते हुए सपा सरकार के कार्यकाल पर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही उन्होंने विकास परियोजनाओं और सरकारी योजनाओं का उल्लेख कर अपनी सरकार के कामकाज को सामने रखा। मुख्यमंत्री के इस संबोधन में धार्मिक आस्था, कानून-व्यवस्था और विकास तीनों मुद्दे प्रमुख रहे। उनके 'सपाई-कसाई' वाले बयान को लेकर अब राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और विपक्षी दलों के जवाब पर नजर रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर में...

सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 अक्टूबर को दिल्ली-NCR में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। इसमें दो दिन 19 और 20 अक्टूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी। ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं। मामले में कोर्ट की सहायता कर रहीं एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ वकील उत्तरा बब्बर ने वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और दिल्ली-NCR में पटाखे जलाने के खतरों के बारे में बताया था। उन्होंने स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि भारत में मौतों के प्रमुख कारणों में वायु प्रदूषण सबसे आगे है। इसके कारण देश में 20.1 लाख से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें से 21% मौतें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की थीं।

मोदी विदेशी मदद से...

उनके पास कोई विजन नहीं है। कांग्रेस के पूरी तरह खत्म होने के लिए वही जिम्मेदार होंगे। बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल यहां आए थे और उन्होंने ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ बात की थी। अब वे दोनों एक ही मंच साझा कर रहे हैं। अगर कांग्रेस और राहुल गांधी ने चुनावी हार से सबक लिया होता तो वे इलेक्शन कमीशन पर बेबुनियाद आरोप नहीं लगाते। अगर आपको चुनाव प्रक्रिया से कोई दिक्कत है तो आप केरल और तमिलनाडु में सवाल क्यों नहीं उठा रहे, जहां आप या आपके सहयोगी जीते हैं। रामलीला मैदान में SIR के खिलाफ रैली में कई विपक्षी दल शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है।' उन्होंने कहा, 'न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है। राहुल गांधी ने कहा SIR के जरिए 13.3 करोड़ यानी 15 फीसदी मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें से कई ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था।

शरद पवार अस्पताल...

प्ल्यूरिटिक पेन यानी फेफड़ों के बाहर की झिल्ली में दर्द। हमारे फेफड़ों के चारों तरफ 2 पतली झिल्लियां होती हैं - इन्हें प्ल्यूरा कहते हैं। दोनों झिल्लियों के बीच थोड़ा सा लुब्रिकेंट फ्लूइड होता है, ताकि सांस लेते समय फेफड़े आसानी से फूल-पिचक सकें। जब इन झिल्लियों में सूजन, इन्फेक्शन या फ्लूइड भर जाता है तो सांस लेते, खांसते या छींकते समय दोनों झिल्लियां आपस में रगड़ खाती हैं। इसी रगड़ से सीने में तेज, चुभने वाला दर्द होता है - इसे ही प्ल्यूरिटिक पेन या प्ल्यूरिसी कहते हैं।

राहुल ने नकली...

राहुल जी जितना जोर लगाना है लगा लो, भाजपा एक-एक घुसपैठिए को देश और वोटर्स लिस्ट से बाहर निकालकर दम लेगी। 3 करोड़ वोट बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। राहुल जी कहते हैं कि हम (भाजपा) SIR से जीते। जरा बताओ क्या 2014 में SIR हुआ था। 2019 में जीते, तब भी SIR नहीं हुआ था। 2024 में भी जीते, उसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, बंगाल, असम जीते। अब तेलंगाना भी जीतने वाले हैं। राहुल जी, दो दिन पहले आपने मॉक पार्लियामेंट की थी, अगर मुझसे पूछा होता तो मैं कहता कि ये नकली संसद में आप एक बार पीएम बन जाओ, क्योंकि असली संसद में वे कभी बन नहीं पाएंगे, ताकि सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाए। राहुल जी चुनाव होते ही आप विदेश चले जाते हैं। देश में पसीना बहाना पड़ता है। हाथ में संविधान रखते हैं, लेकिन उसका सम्मान नहीं करते। EVM, SIR, घुसपैठिए के मुद्दे पर हम संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार हैं, चर्चा के लिए आ जाइए, लेकिन वे नहीं आएंगे। वे अराजकता से खुद को सुर्खियों में रखते हैं। जब भी चुनाव जीतते हैं तो कहते हैं EVM के कारण जीते। राहुल जी, अगर EVM खराब है तो रेवंत रेड्डी कैसे सीएम बन गए, केरल में आपकी सरकार कैसे आई, हिमाचल में कैसे आई। जब जीतते हैं तो लोगों ने जिताया, हारते हैं तो EVM ने हराया। एक कहावत है कि नाच न जाने आंगन टेढ़ा। देश की जनता कांग्रेस को सिरे से नकार चुकी है। मोदी जी के सामने आपका (राहुल गांधी) कोई मुकाबला नहीं। आपने 10 साल शासन किया, 12 लाख करोड़ के घोटाले किए। इनको फिर से देश कैसे सौंपा जाए, मोदी जी के 12 साल हो गए, उन पर चार आने का भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है। झूठ फैलाकर आप चुनाव नहीं जीत सकते।

तूफान मुरासु आज...

इन राज्यों में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की आशंका है। चक्रवात से निपटने के लिए NDRF की चौथी बटालियन की तीन टीमें तमिलनाडु के रणिपेट जिले में अरक्कोनम के पास नागरिककुप्पम से रवाना की गई हैं। इन टीमों में 90 जवान शामिल हैं। इन्हें आंध्र प्रदेश के नेल्लोर, प्रकाशम और मार्कापुरम में राहत और बचाव कार्यों के लिए तैनात किया गया है। चक्रवात का सबसे ज्यादा असर बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिलों में पड़ने की आशंका है। चेन्नई में पिछले 24 घंटे के दौरान माधवरम में सबसे ज्यादा 11 सेमी बारिश दर्ज की गई। एन्नोर पोर्ट और नुंगमब-क्कम में 10-10 सेमी बारिश हुई।

वेटल के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा, 73 साल बाद इटली को मिला चैंपियन

20 साल के किमी एंटोनेली यंगेस्ट फॉर्मूला-1 वर्ल्ड चैंपियन बने

चैंपियन

नई दिल्ली। मर्सिडीज के ड्राइवर किमी एंटोनेली 20 साल की उम्र में फॉर्मूला-1 के सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने रविवार को मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में तीसरा स्थान हासिल कर 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, जर्मनी के सेबेस्टियन वेटल ने 2010 में 23 साल और 133 दिन की उम्र में अपना पहला F1 वर्ल्ड टाइटल जीता था। वे 1953 के बाद F1 चैंपियन बनने वाले इटली के पहले ड्राइवर भी हैं। एंटोनेली ने अपने दूसरे ही सीजन में यह खिताब जीता और चार रेस बाकी रहते चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। एंटोनेली ने अपने दूसरे ही सीजन में यह कारनामा कर दिखाया। वे चार रेस बाकी रहते ही चैंपियन बन गए। मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में एंटोनेली तीसरे स्थान पर रहे। मैक्स वेरस्टैपेन ने रेस जीती, जबकि लुईस हैमिल्टन दूसरे स्थान पर रहे।

चैंपियन बनने के बाद एंटोनेली अपनी भावनाएं नहीं रोक सके। उन्होंने टीम से कहा, 'हमने कर दिखाया, हमने कर दिखाया। पोडियम पर भी उनकी आंखों में आंसू थे। एंटोनेली 1953 के बाद फॉर्मूला-1 ड्राइवर चैंपियनशिप जीतने वाले इटली के पहले ड्राइवर हैं। इससे पहले अल्बर्टो असकारी ने 1952 और 1953 में लगातार दो खिताब जीते थे। एंटोनेली 21वीं सदी में जन्मे पहले F1 वर्ल्ड चैंपियन भी बन गए हैं। फॉर्मूला-1 में पूरे सीजन में सबसे ज्यादा पॉइंट्स हासिल करने वाला ड्राइवर वर्ल्ड चैंपियन बनता है। हर ग्रां प्री में टॉप-10 ड्राइवरों को पॉइंट्स मिलते हैं। पहले स्थान पर रहने वाले को 25, दूसरे को 18, तीसरे को 15 और 10वें स्थान पर रहने वाले को 1 पॉइंट मिलता है।

हैमिल्टन की जगह मर्सिडीज ने दिया था मौका

लुईस हैमिल्टन के 2025 सीजन से पहले फेरारी जाने के फैसले के बाद मर्सिडीज को नए ड्राइवर की तलाश थी। टीम प्रिंसिपल टोटो वोल्फ ने अनुभवी ड्राइवर के बजाय युवा एंटोनेली पर भरोसा जताया। तब उनकी उम्र सिर्फ 18 साल थी। एंटोनेली ने 2025 में अपने डेब्यू सीजन में 150 पॉइंट्स हासिल किए और ड्राइवर चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने तीन पोडियम भी हासिल किए थे।

पहले 6 में से 5 रेस जीतीं

एंटोनेली का इस सीजन में प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने जापान ग्रां प्री के बाद ड्राइवर चैंपियनशिप में बढ़त बनाई थी। इसके बाद पहले 6 में से 5 रेस जीतीं। मैक्सिको पहुंचने तक उनके नाम 9 ग्रां प्री जीत थीं। उनके सीजन का सबसे यादगार प्रदर्शन इटली के मोन्जा में आया। यहां उन्होंने 19वें नंबर से शुरुआत करने के बावजूद रेस जीती।

7 साल की उम्र में शुरू की थी रेसिंग

किमी एंटोनेली का जन्म 25 अगस्त 2006 को इटली के बोलोन्या में हुआ था। उनके पिता मार्को एंटोनेली भी रेसिंग ड्राइवर रह चुके हैं और मोटरस्पोर्ट्स टीम चलाते हैं। किमी ने 7 साल की उम्र में कार्टिंग शुरू की थी। 2019 में 12 साल की उम्र में वे मर्सिडीज के जूनियर प्रोग्राम से जुड़े। 2022 में उन्होंने इटालियन और जर्मन फॉर्मूला-4 चैंपियनशिप जीती। इसके बाद 2023 में फॉर्मूला रीजनल यूरोपियन और मिडिल ईस्ट चैंपियनशिप अपने नाम की।

न्यूजीलैंड-ए 424 पर ऑलआउट

भारत के खिलाफ 74 रन की बढ़त मिली, मुकेश ने 5 और सिराज ने 4 विकेट लिए

नई दिल्ली। इंडिया-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड-ए पहली पारी में 424 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड-ए ने इंडिया-ए पर 74 रन की बढ़त हासिल की। मैथ्यू बॉयल ने शतक लगाया, जबकि डीन फॉक्सक्राफ्ट शतक से 7 रन दूर रह गए। भारत के लिए मुकेश कुमार ने 5 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट झटके। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में बिना किसी विकेट के 32 रन बना लिए हैं। मैथ्यू बॉयल ने 152 गेंद पर 110 रन बनाए। डीन फॉक्सक्राफ्ट ने 226 गेंद पर 93 रन की पारी खेली।

दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 208 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा क्रिस्टियन क्लार्क ने 41 और विकेटकीपर मिचेल हे ने 31 रन बनाए। ब्रेट रेंडल 5 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड ए के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रीस मारियू, कर्टिस हीफी और टिम रॉबिन्सन दूसरे दिन ही आउट हो गए थे। रीस मारियू और कर्टिस हीफी ने 4-4 रन बनाए। टिम रॉबिन्सन ने 3 रन बनाए। न्यूजीलैंड ए का सातवां विकेट 291 रन के स्कोर पर गिरा था। इसके बाद टीम 424 रन तक पहुंची। आखिरी तीन विकेटों ने 133 रन जोड़े। फ्रेजर शीट ने 51 गेंद पर 40 रन बनाए।

जायडन लेनॉक्स ने 97 गेंद पर नाबाद 32 रन बनाए। जैरोड मैके ने 75 गेंद पर 33 रन की पारी खेली। इंडिया-ए की ओर से मोहम्मद सिराज ने 35 ओवर में 118 रन देकर 4 विकेट लिए। मुकेश कुमार ने 29 ओवर में 87 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

वाशिंगटन सुंदर ने 29.5 ओवर में 81 रन देकर एक विकेट लिया। आकाशदीप ने 23 ओवर में 59 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया

8.1 ओवर में 80 रन का टारगेट हासिल किया

शारजाह। अफगानिस्तान ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.3 ओवर में सिर्फ 79 रन पर सिमट गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 80 रन का लक्ष्य 8.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्पिनर नूर अहमद ने 3.3 ओवर में 13 रन देकर 5 विकेट लिए। टॉस जीतकर अफगानिस्तान ने पहले गेंदबाजी चुनी। पहले ओवर में फजलहक फारूकी ने इनोसेंट काइया को आउट किया। काइया 4 गेंदों पर 5 रन बनाकर नूर उल रहमान को कैच दे बैठे। इसके बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने ब्रायन बेनेट को पवेलियन भेज दिया। बेनेट 3 गेंदों पर 2 रन ही बना सके। इस तरह जिम्बाब्वे ने 8 रन पर दो विकेट गंवा दिए। कप्तान सिकंदर रजा भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। वह 8 गेंदों पर 2 रन बनाकर अब्दुल्लाह तराखैल की गेंद पर इब्राहिम जादरान को कैच दे बैठे। 13 रन तक टीम के तीन बल्लेबाज आउट हो चुके थे। शुरुआती झटकों के बाद रयान बर्ल ने पारी को संभालने की कोशिश की। उन्होंने 29 गेंदों पर 30 रन बनाए। इस दौरान 5 चौके लगाए। वेस्ली मधेवेरे ने भी 17 गेंदों पर 10 रन का योगदान दिया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी हुई। यह जिम्बाब्वे की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। लेकिन 56 रन के स्कोर पर बर्ल LBW आउट हो गए। उन्हें अब्दुल्लाह अहमदजई ने पवेलियन भेजा।

हेनरी निकोल्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को मिला मौका, 4 नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होगा मुकाबला

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले मेहमान टीम को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन और ऑलराउंडर रचिन रवींद्र चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम में कई बदलाव किए गए हैं। हेनरी निकोल्स, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, टिम सीफर्ट और मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 4 नवंबर से ऑकलैंड में होगी। जीलैंड के मार्क चैपमैन बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट से परेशान हैं। वहीं, रचिन रवींद्र को एक प्रमोशनल शूट के दौरान चोट लगी थी।

इस दौरान उनका दायां कंधा डिसलोकेट हो गया था। दोनों खिलाड़ी अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन ने उन्हें वनडे सीरीज से बाहर रखने का फैसला किया है। दोनों खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी न्यूजीलैंड के लिए बड़ा नुकसान मानी जा रही है। चैपमैन और रचिन टीम के अहम खिलाड़ी हैं और बल्लेबाजी के साथ टीम को अतिरिक्त विकल्प भी देते हैं। मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी।

> **"न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र टीम के लिए कितने अहम हैं, यह सभी जानते हैं। उनका इस सीरीज में नहीं खेलना दुखद है। कोच ने बताया कि पिछले सप्ताह उनकी मार्क चैपमैन से मुलाकात हुई थी। वह चोट के कारण निराश हैं, लेकिन मैदान पर वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।**

कोच बोले- टेस्ट सीरीज से पहले जोखिम नहीं लेना चाहते

रचिन रवींद्र की फिटनेस पर बात करते हुए वॉल्टर ने कहा कि उनका कंधा अभी उस स्थिति में नहीं पहुंचा है, जहां वह सफेद गेंद की क्रिकेट में आराम से फील्डिंग कर सकें। उन्होंने कहा कि इसी महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी खेली जानी है। ऐसे में टीम प्रबंधन दोनों खिलाड़ियों को लेकर कोई अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहता। मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र के बाहर होने के बाद न्यूजीलैंड ने टीम में बदलाव किए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को शुरुआती तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। वहीं, ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट आखिरी दो मुकाबलों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

मैट हेनरी की फिटनेस पर भी नजर

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी दाएं पैर के क्वाड्रिसेप में मामूली चोट के कारण आखिरी तीन टी-20 मुकाबले नहीं खेल पाए थे। वह सोमवार, 2 नवंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे।

इसके बाद उनकी फिटनेस और खेलने की तैयारी का आकलन किया जाएगा। उनकी उपलब्धता को लेकर अंतिम फैसला फिटनेस जांच के बाद लिया जाएगा।

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट फिशर, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लैथम (विकेट-कीपर), डैरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ, विल यंग और ब्लेयर टिकनर।

विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को भी शुरुआती तीन वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले ही सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए चुना जा चुका था। तेज गेंदबाज मैट फिशर भी अब शुरुआती तीन मैचों में खेलते नजर आ सकते हैं। उन्हें शुरुआत में केवल आखिरी दो मुकाबलों के लिए टीम में रखा गया था।

मनोरंजन

सुकेश चंद्रशेखर केस में नोरा फतेही को कोर्ट की फटकार

6 नवंबर को पेश होने का नया समन जारी

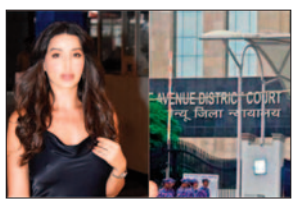

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये की रंगदारी वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभिनेत्री नोरा फतेही की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े एक्सटॉर्शन केस में गवाही देने के लिए अदालत ने नोरा फतेही को एक बार फिर समन जारी किया है। सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 6 नवंबर 2026 को पेश होने का निर्देश दिया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने नोरा फतेही को सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े जबरन वसूली मामले में गवाह के तौर पर तलब किया था। सोमवार, 2 नवंबर को इस मामले की सुनवाई के दौरान नोरा खुद अदालत में उपस्थित नहीं हुईं। उनकी ओर से उनके वकील पेश हुए और अदालत में छूट के लिए अर्जी दाखिल की।

मीडिया पर भड़के अमिताभ बच्चन

मुंबई। मिताभ बच्चन सोमवार को मीडिया पर भड़क गए। उन्होंने लिखा कि उनके लिखे शब्दों को गलत तरह पेश किया जाता है। इसके साथ ही अमिताभ बच्चन ने चेतावनी दी है कि उनके 50 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं, अगर वो इशारा करें तो ये फॉलोवर्स उनके लिए तैयार बैठे हैं।

बिग बी का कहना है कि उन्होंने कुछ समय पहले भगवान कृष्ण के लिए एक लाइन लिखी, लेकिन एक न्यूज वेबसाइट ने उसे धमकियां मिलने से जोड़ दिया।

अमिताभ बच्चन ने तड़के सुबह आधिकारिक X अकाउंट (पहले ट्विटर) से लिखा, 'कृष्ण कन्हैया के लिए, प्रार्थना स्वरूप, अक्सर उच्चारण करते है- ₹ हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की₹ और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, 'देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, कि 'ले आओ हाथी घोड़ा'। हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं।

सुन लो कान फाड़ के मीडिया वालो। 50 मिलियन की आबादी है हमारे फॉलोवर्स की मीडिया वालो। जिस दिन हमने इशारा किया, तो उनमें से केवल 10 प्रतिशत ही ठोकने के लिए तैयार बैठे हैं।'

मन्नत पर पत्थर फेंके जाने पर बेटी सुहाना रोई तो दी धमकी

61 के हुए शाहरुख खान

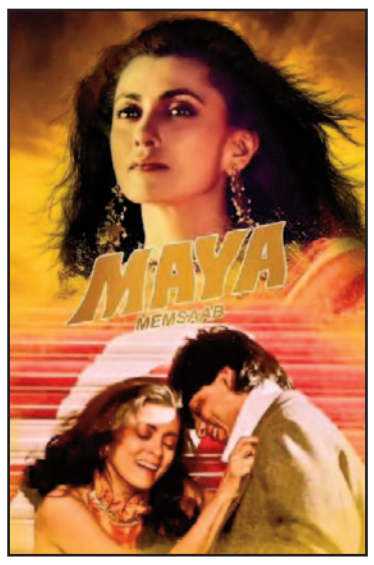

मुंबई। पनी अदाकारी के अलावा शाहरुख खान अक्सर अपनी बातों से भी दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। हाजिरजवाबी के मामले में उनका जवाब नहीं। वहीं, जिंदगी, परिवार और दोस्ती को लेकर भी उनका नजरिया काफी अलग है, जो दूसरों को भी प्रेरित करता है। सफलता और असफलता पर भी वे ऐसी बातें कहते हैं, जो दूसरों के लिए किसी सीख से कम नहीं हैं। आज 02 नवंबर को शाहरुख के 61वें जन्मदिन के मौके पर जानते हैं शाहरुख खान की कुछ ऐसी बातें, जो जिंदगी का अलग नजरिया पेश करती हैं। बहुत अधिक शोहरत और दौलत पाने के बावजूद शाहरुख खान का मानना है कि कोई भी कामयाबी या दौलत इंसानी रिश्तों, करुणा और जरूरत में काम आए लोगों की जगह नहीं ले सकती। शाहरुख खान ने कहा, 'चाहे आप कितने भी अमीर, कामयाब और मशहूर क्यों न हो जाएं, दूसरों की मेहरबानी को कभी कम मत समझो। वे आप पर इसलिए मेहरबान होते हैं।

'खुद को थामे रखें, जैसे हैं वैसे ही बने रहें'

साल 2012 में येल यूनिवर्सिटी में शाहरुख खान को 'चब फेलो' चुना गया। इस दौरान शाहरुख ने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए अपनी पहचान बनाए रखने की जरूरत पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि मुश्किल समय में खासतौर पर खुद को थामे रखना जरूरी होता है, जब दुनिया किसी इंसान को समझने या पहचानने में नाकाम हो सकती है। शाहरुख खान के मुताबिक, 'जिंदा रहने के लिए आप सिर्फ एक ही चीज कर सकते हैं, आप अंदर से जैसे हैं, वैसे ही बने रहें। दुनिया आपके साथ बुरा बर्ताव करेगी। वह आपको देख नहीं पाएगी। ऐसे समय में आपको खुद को देखना सीखना होगा'।

एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए शाहरुख खान ने करुणा और दया पर बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि दूसरों की मदद करना उन पर कोई एहसान करना नहीं है, बल्कि उस काम में ही खुशी पाना है। शाहरुख खान ने स्पीच के दौरान कहा था, 'दूसरों को अपना सब कुछ दें।

'कन्फ्यूज होना ठीक है'

साल 2015 में एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी ने शाहरुख खान को डॉक्टरेट की डिग्री दी थी। इसे किंग खान ने एक यादगार स्पीच के साथ स्वीकार किया। एक्टर ने कन्फ्यूजन को क्लैरिटी पाने का एक जरूरी हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'कन्फ्यूज होना ठीक है। कन्फ्यूजन ही दुनिया में सारी क्लैरिटी का रास्ता है। इसके बारे में ज्यादा चिंता न करें और कभी भी खुद को इतना गंभीर न लें कि आप अपने विचारों को लेकर इतने क्लियर हो जाएं कि दूसरों की राय का सम्मान करना बंद कर दें'। एक्टर ने स्टूडेंट्स को हिम्मत दी कि वे अपनी सोच को लेकर इतने सख्त न बनें कि वे दूसरों की राय का सम्मान करना बंद कर दें। जब आप ऐसा कर रहे हों, तो यह भी पक्का कर लें कि आप दयालु बनकर किसी पर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं। यह सब बस आपको वह छोटी सी फीलिंग दिलाने के लिए है, जो खुद से पूरी तरह खुश होने से आती है। आखिरकार, आप दूसरों के लिए जो भी मदद, चैरिटी का काम कर रहे हैं, किसी के प्रति दयालुता दिखा रहे हैं उससे सबसे ज्यादा फायदा हमेशा आपको ही मिलेगा'।

इस बार शाहरुख चाहते थे कि उनका बेटा बाहर बैठकर कारों को गुजरते देखने के बजाय, बड़े पर्दे पर फिल्म देखने का जादू महसूस करे।

असफलता और असफलता को लेकर भी किंग खान का अलग नजरिया है। वे मानते हैं कि कामयाबी खुशी देती है, लेकिन नाकामयाबी और उस पर आपकी प्रतिक्रिया ही तरक्की की ओर ले जाती है। एक्टर के मुताबिक, 'सफलता एक बहुत अच्छी चीज है, लेकिन यह ऐसा अनुभव नहीं है जिससे हम सीखते हैं। हम इसका आनंद लेते हैं। शायद हम इसके लायक भी हों, लेकिन हम इससे समझदारी नहीं सीखते।

फिल्म देखने गए, मगर नहीं खरीद पाए टिकट

रईसी के मामले में शाहरुख खान सबसे आगे हैं। बीते दिनों जारी हुई हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में सबसे अमीर सितारों की सूची में वे पहले पायदान पर हैं। साल 2026 में शाहरुख खान की संपत्ति करीब 10,000 करोड़ रुपये है। वे आलीशान जिंदगी जीते हैं। मगर, एक वक्त ऐसा था, जब वे सिनेमाघर में फिल्म देखने के लिए टिकट खरीद पाने में असमर्थ थे। वे अपने पिता ताज मोहम्मद खान के साथ फिल्म देखने गए थे। मगर, जब टिकट नहीं खरीद पाए तो वे और उनके पिता थिएटर के बाहर कारें देखते रहे। शाहरुख ने कहा, 'एक बार, मेरे पिता मुझे दिल्ली में एक सिनेमा दिखाने ले गए।

ट्रम्प रक्षा मंत्री हेगसेथ को हटा सकते हैं

ईरान पर हमला करने के लिए उकसाया था, 8 महीने बाद भी खत्म नहीं हुई जंग

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ मैरीलैंड में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान। यह तस्वीर 31 जुलाई 2026 की है।

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को पद से हटा सकते हैं। अमेरिकी मैगजीन 'द अटलांटिक' की रिपोर्ट के मुताबिक, हेगसेथ ने उन्हें ईरान पर हमला करने के लिए उकसाया था। रिपोर्ट के मुताबिक हेगसेथ ने ट्रम्प को भरोसा दिलाया था कि युद्ध कुछ ही महीने में खत्म हो जाएगा। हालांकि, 8 महीने बाद भी जंग जारी है। अब ट्रम्प यह तय करने में जुटे हैं कि यह युद्ध इतना लंबा खिंचने की पीछे कौन जिम्मेदार है। ट्रम्प अपने कुछ करीबी सहयोगियों से रक्षा मंत्री हेगसेथ और अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन के कामकाज के बारे में राय ले रहे हैं। हेगसेथ और केन युद्ध को लेकर ट्रम्प के प्रमुख सलाहकार रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के कई लोग हेगसेथ को पसंद नहीं करते। ट्रम्प के कुछ करीबी लोगों का मानना है कि हेगसेथ युद्ध की असली हालात राष्ट्रपति को नहीं बता रहे। वे उन्हें खुश रखने के लिए सिर्फ अच्छी बातें ही बताते हैं।

हालांकि, पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इन आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि हेगसेथ राष्ट्रपति और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों को सैन्य कार्रवाई की पूरी जानकारी देते हैं। ट्रम्प का भरोसा जीतने की कोशिश में जुटे हेगसेथ हेगसेथ ने ट्रम्प की नजरों में अपनी छवि मजबूत करने के लिए मीडिया में गोपनीय जानकारी लीक करने के शक में अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

29 अक्टूबर को रक्षा मंत्री हेगसेथ और जनरल डैन केन ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति वेंस को युद्ध से जुड़े कई विकल्प बताए थे। इससे जरिए वे ऐसा माहौल बनाना चाहते थे, जिसमें ट्रम्प जीत का दावा कर सकें।

पिछले हफ्ते उन्होंने ज्वाइंट स्टाफ के प्लानिंग डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को पद से हटा दिया। पेंटागन के अधिकारियों के मुताबिक, ईरान युद्ध और हथियारों की कमी से जुड़ी खबरें लीक होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

ट्रम्प को मिडटर्म चुनाव में नुकसान का डर

ट्रम्प को लगता है कि ईरान युद्ध का असर मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की जीत पर पड़ रहा है। दोनों सदनों में बहुमत खोने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रम्प इससे नाराज हैं।

वे अपनी राजनीतिक मुश्किलों के लिए युद्ध को जिम्मेदार मान रहे हैं। अब वे उन लोगों की जवाबदेही तय करना चाहते हैं, जिन्होंने उन्हें जल्दी जीत का भरोसा दिया था।

29 अक्टूबर को रक्षा मंत्री हेगसेथ और जनरल डैन केन ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति वेंस को युद्ध से जुड़े कई विकल्प बताए थे। इससे जरिए वे ऐसा माहौल बनाना चाहते थे, जिसमें ट्रम्प जीत का दावा कर सकें।

नेतन्याहू आइजनकोट के साथ सरकार बनाने को तैयार

अरब पार्टियों के विपक्ष को मिले समर्थन से डरे

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजेन-कोट के साथ मिलकर सरकार बनाने तैयार हैं। इजराइली मीडिया i24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजेनकोट अरब पार्टियों के समर्थन से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे नेतन्याहू को सत्ता छोड़नी पड़ सकती है। यही वजह है कि नेतन्याहू ने आइजेनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज नहीं किया है। हालांकि, आइजेनकोट ने अब तक इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। दरअसल, जॉइंट लिस्ट और राअम जैसी अरब पार्टियों ने रविवार को आइजनकोट को समर्थन देने का ऐलान किया था। इस समर्थन के बाद आइजनकोट को 67 सांसदों का साथ मिलने की संभावना है। इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला था। 120 सदस्यों वाली संसद में बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत है। नेतन्याहू के समर्थन वाले गठबंधन को 53, आइजनकोट के विपक्षी गठबंधन को 48 और अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं। चुनाव में विपक्षी दलों ने नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए वोट मांगे थे। ऐसे में उनके लिए अब उन्हीं के साथ सरकार बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल होगा। इससे उनके समर्थकों के बीच भी नाराजगी पैदा हो सकती है। नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ सरकार चलाती हैं। इस तरह की सरकार बनने पर नेतन्याहू प्रधानमंत्री बने रह सकते हैं। आइजनकोट और उनके सहयोगियों को भी सत्ता में भागीदारी मिल सकती है।

फास्ट न्यूज

ईरान ने ब्रिटिश नौसेना-वायुसेना को आतंकी घोषित किया

नई दिल्ली। ईरान ने ब्रिटेन की नौसेना और वायुसेना को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। साथ ही उसकी खुफिया एजेंसी MI6 को दुश्मन समूह बताया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने रविवार को इसकी घोषणा की। ईरान ने आरोप लगाया कि ब्रिटेन ने अमेरिका और इजराइल को उसके खिलाफ जंग में मदद दी थी। इसके लिए सैन्य ठिकाने और दूसरी सुविधाएं भी मुहैया कराई थीं।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय-बाजार से ₹34,843 करोड़ निकाले

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर के महीने में भी जारी रहा। अक्टूबर में FPIs ने भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 34,843 करोड़ निकाल लिए हैं। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशकों ने बाजार में भारी बिकवाली की है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, दुनिया भर में ऊंची ब्याज दरें और कंपनियों के सुस्त तिमाही नतीजों के अनुमान के चलते विदेशी निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ है।

दिवाली से पहले कॉमर्शियल सिलेंडर ₹17 तक महंगा

नई दिल्ली। कॉमर्शियल सिलेंडर 1 नवंबर से 17 रुपए तक महंगा हो गया है। अब आपके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आने पर नंबर के साथ कॉलर का असली नाम भी दिखेगा। टोल प्लाजा के 20km के दायरे में रहने वाले वाहन मालिकों को 1 साल का लोकल फास्टैग पास मिलेगा। नवंबर 2026 में सिलेंडर, टेलिकॉम, ट्रांसपोर्ट और इन्वेस्टमेंट से जुड़े ऐसे ही 5 बदलाव हो रहे हैं।

यूरोप में इस साल 22 हजार प्रदर्शन हुए

फ्रांस की हिंसक प्रदर्शनों में 66% हिस्सेदारी

ब्रुसेल्स, एजेंसी

यूरोप में महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। इस साल यूरोपीय संघ (EU) के 27 देशों में 19 अक्टूबर तक करीब 22 हजार प्रदर्शन दर्ज किए गए। इनमें फ्रांस सबसे आगे रहा। यूरोपीय संघ की कुल आबादी में फ्रांस की हिस्सेदारी 15% है। यहां हिंसा के साथ हुए प्रदर्शनों की संख्या 950 रही। इस साल फ्रांस का हिंसक प्रदर्शनों में 66% हिस्सेदारी रही। अक्टूबर में यूरोप के कुल 8 देशों में आंदोलन हुए। इनमें फ्रांस, इटली, जर्मनी, अल्बानिया, स्पेन, ग्रीस, बेल्जियम, सर्बिया शामिल है। फ्रांस में इस साल करीब 7300 प्रदर्शन हुए। यहां महंगाई और खराब होती शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ लगातार तीसरे हफ्ते प्रदर्शन जारी रहे। छात्र और कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। सरकार के मुताबिक, देशभर में करीब 3.2 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया। इससे पहले 17 अक्टूबर को 5.5 लाख और 24 अक्टूबर को 4 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। इन प्रदर्शनों की शुरुआत स्कूलों की खराब इमारतों, शिक्षकों की कमी और विश्वविद्यालयों की बदहाल व्यवस्था से नाराज छात्रों ने की थी। बाद में मजदूर संगठनों और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से नाराज लोग भी इसमें शामिल हो गए।

पायलट बोला- तेजी से नीचे गिर रहे, जमीन से टकराने वाले हैं, वक्त नहीं बचा

अमेरिका में प्लेन क्रैश, 9 की मौत

घटना

फ्लोरिडा, एजेंसी

अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। AFP के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है। हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए।

एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था। इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था।

कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है। हवाई के वाइमिया में 5 लोगों को ले जा रहा एक छोटा विमान खेत में क्रैश हुआ। विस्कॉन्सिन के डेलोना के घने जंगलों में एक छोटा विमान दुर्घटना-ग्रस्त हुआ, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

पायलट ने रेडियो पर कहा, हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं।

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान

विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।

सेंसेक्स 1233 अंक चढ़कर 75,693 पर बंद

निफ्टी 388 अंक चढ़ा, रिलायंस का शेयर 12% चढ़कर ₹1300 पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार, 2 नवंबर को जोरदार तेजी देखने को मिली। कारोबारी सत्र के अंत में सेंसेक्स 1,233 अंक की बढ़त के साथ 75,693 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 388 अंकों की तेजी दर्ज की गई और यह 23,440 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। बाजार में आई इस तेजी के पीछे रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जोरदार उछाल को प्रमुख वजह बताया जा रहा है। कंपनी का शेयर करीब 12 प्रतिशत चढ़कर 1,300 रुपये पर पहुंच गया। इस तेजी के साथ रिलायंस का मार्केट कैप बढ़कर 17.59 लाख करोड़ रुपये हो गया। सप्ताह के कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में निवेशकों की अच्छी खरीदारी देखने को मिली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 1,233 अंकों की तेजी के साथ 75,693 पर बंद हुआ। दिनभर की खरीदारी का असर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के निफ्टी पर भी दिखाई दिया। निफ्टी 388 अंक चढ़कर 23,440 के स्तर पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांकों में आई इस तेजी से बाजार में सकारात्मक माहौल देखने को मिला। सोमवार को बाजार की तेजी में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों की अहम भूमिका रही। कंपनी के शेयर में करीब 12 प्रतिशत का उछाल आया और इसकी कीमत बढ़कर 1,300 रुपये तक पहुंच गई। शेयर की कीमत में आई इस बढ़ोतरी का सीधा असर कंपनी के बाजार पूंजीकरण पर पड़ा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप बढ़कर 17.59 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस के शेयरों में आई बड़ी तेजी ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कंपनी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी के साथ बाजार में भी मजबूती दिखाई दी। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में अच्छी बढ़त दर्ज की गई। 2 नवंबर के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों की बढ़त ने निवेशकों के बीच सकारात्मक माहौल बनाया।

जीएसटी कलेक्शन 23% बढ़ा, कार बिक्री, यूपीआई और बिजली की खपत ने भी रिकॉर्ड बनाया

महंगाई और दुनिया का तनाव बेअसर, अक्टूबर में जमकर हुई खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और वैश्विक तनाव के बावजूद अक्टूबर में लोगों ने जमकर खरीदारी की। त्योहारी सीजन का असर बाजार से लेकर डिजिटल पेमेंट और औद्योगिक गतिविधियों तक दिखाई दिया। अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, देश का GST कलेक्शन सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं, कारों की बिक्री, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खरीद और UPI ट्रांजैक्शन में भी नए रिकॉर्ड दर्ज किए गए। बिजली की खपत और डीजल की बिक्री में बढ़ोतरी ने भी बाजार में बढ़ी गतिविधियों के संकेत दिए हैं। अक्टूबर में वस्तु एवं सेवा कर (GST) का कुल कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल अक्टूबर में यह आंकड़ा करीब 1.88 लाख करोड़ रुपये था। इस बढ़ोतरी को त्योहारी सीजन में बढ़ी खरीदारी और आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर देखा जा रहा है। बाजार में ग्राहकों की बढ़ती आवाजाही का असर कारोबार और सरकारी राजस्व के आंकड़ों में भी दिखाई दिया। डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में भी अक्टूबर में नया रिकॉर्ड बना। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के जरिए पूरे महीने में 25.47 अरब यानी 2,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। पिछले साल के मुकाबले इसमें करीब 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन ट्रांजैक्शन के माध्यम से कुल 31.53 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ, जो सालाना आधार पर 16 प्रतिशत ज्यादा है।

कारों की बिक्री 5.30 लाख यूनिट तक पहुंची

त्योहारी सीजन में ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी जबरदस्त मांग देखने को मिली। अक्टूबर में देशभर में करीब 5.25 से 5.30 लाख कारों की बिक्री हुई। यह किसी एक महीने में दर्ज की गई अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री बताई जा रही है। पिछले साल अक्टूबर में करीब 4.65 लाख कारें बिकी थीं। इस बार बिक्री में लगभग 13 से 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वाहन पोर्टल (VAHAN) के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में 2.24 लाख इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बिके।

गिरावट : चांदी ₹1264 घटकर ₹1.80 लाख/किलो बिक रही, एक महीने में करीब ₹40 हजार सस्ती हुई

सोना ₹2282 सस्ता, ₹1.38 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

दिवाली से पहले सोने-चांदी के दाम में गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,282 रुपए गिरकर 1.38 लाख रुपए आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 1,264 रुपए घटकर 1.80 लाख रुपए पर आ गई है। शुक्रवार को सोना 1.40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.81 लाख रुपए किलो बिक रही थी। अक्टूबर में सोना 8,084 रुपए और चांदी 39,485 रुपए सस्ती हुई है। एक अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे। सोना-चांदी की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक सोच कर खरीदारी करें। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 2.06 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

सोना सस्ता होने की 3 वजह

- ऊंचे भाव पर बिक्री: त्योहारों से पहले सोना काफी महंगा हो गया था, इसलिए बड़े निवेशकों ने मुनाफा कमाने के लिए अपना सोना बेचना शुरू कर दिया।
- मजबूत डॉलर का असर: अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड मजबूत हुए, जिससे ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें नीचे आ गईं।
- खरीदारों का हाथ खींचना: महंगे दाम देखकर आम खरीदारों ने दुकानों से फिलहाल सोने की खरीदारी कम की है।

चांदी सस्ती होने की 3 वजहें

- फैक्टरियों से कम मांग: चांदी का बड़ा इस्तेमाल सोलर और इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्टरियों में होता है। पिछले दिनों इन उद्योगों में चांदी की मांग घटी है।
- बाजार में बिकवाली का दबाव: शेयर और वायदा बाजार के उतार-चढ़ाव में बड़े ट्रेडर्स ने अचानक अपनी चांदी बेच दी, जिससे भाव तेजी से गिरे।
- सोने की देखा-देखी: सर्राफा बाजार में सोना और चांदी एक-दूसरे के पीछे चलते हैं। सोने के भाव गिरते ही चांदी में भी बिकवाली शुरू हो गई।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

1 ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

2 खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

3 लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसि-एशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

4 पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

ईपीएफओ ने वॉट्सएप सर्विसेज शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी

एम्पलाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेना-इजेशन (EPFO) ने अपने करोड़ों पीएफ खाताधारकों के लिए नियमों और सुविधाओं को बहुत आसान बना दिया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को EPFO के 74वें स्थापना दिवस पर दो बड़ी सुविधाओं की शुरुआत की पहला- वॉट्सएप सर्विसेज और दूसरा- बंद या डिएक्टिव EPF खातों का ऑटोमैटिक सेटलमेंट यानी अपने आप पैसा ट्रांसफर होगा। जब किसी पीएफ खाते में लगातार 36 महीनों तक कोई नया योगदान नहीं आता है या कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपना पैसा नहीं निकालता है, तो ऐसे खातों को 'इनऑपरेटिव' मान लिया जाता है। नए नियमों के तहत अब 1,000 रुपए तक के बैलेंस वाले आधार-लिंक्ड खातों को अपने आप सेटल किया जा रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676